RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

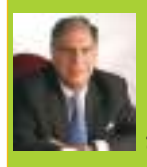

लोग तुम्हारे स्वाभिमान की तब तक परवाह नहीं करेंगे जब तक कि तुम खुद को साबित नहीं दिखा देते।

रतन टाटा

वर्ष-04, अंक - 48 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 01 सितम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

एक तरफ सिंधिया का आयोजन तो दूसरी ओर अशोकनगर के मुंगावली में माफियाओं के आतंक का चलता रहा तांडव

पत्रकार के साथ भाई एवं पार्षद पति पर हुआ जानलेवा हमला

माही की गूंज, संजय भटेवरा

अशोकनगर डेस्क। जहां मध्यप्रदेश में शिवराजसिंह चौहान की अपनी चौथी पारी के साथ भाजपा सरकार हर जगह कहते नजर आ रही है कि, प्रदेश से माफियाओ का एक तरह से दमन कर दिया जाएगा। यानी उन्हें किसी तरह से नहीं बख्सा जाएगा की गौरवक्ति मात्र एक ढकोसले के रूप में भाजपा सरकार में नजर आ रही है। प्रदेश में माफियाओं का बोलबाला कितना प्रभावशील है, यह प्रदेश के अशोकनगर जिले में एक और उदाहरण के तौर पर सामने आया है। प्रदेश में भले ही अपनी चौथी पारी खेलते हुए शिवराजसिंह चौहान अपनी सरकार चला रहे हो, पर चौथी पारी का ताज किसके कारण मिला है, यह हर कोई जानता है। इसीलिए भले ही प्रदेश में सरकार शिवराजसिंह चला रहे हो पर चौथी पारी का ताज पहनाने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया का प्रभाव भी किसी भी स्थिति में प्रदेश में शिवराजसिंह चौहान से कम नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में पांच दिवसीय दौरे पर थे और उनका यह विशेष दौरा प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में आमजन को खाने-पीने की व्यवस्था के साथ संपूर्ण मूलभूत सुविधाएं जल्द से जल्द मिल सके के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जाकर जनमानस की समस्याओं को जानने का प्रयास किया। इसी दौरान यह भी सामने आया कि, जहां भाजपा सरकार अपने विकास के मुद्दों के साथ प्रदेश में भले ही माफिया राज एवं उनके आतंक को एक सिरे से खत्म कर दिया जाएगा कह रही है। वही माफिया एवं उनकी दबंगई किस तर्ज पर शिखर पर चढ़ बोल रही है, यह देखने को एक बार और तब मिला जब ज्योतिरादित्य सिंधिया विकास के मुद्दे पर पांच दिवसीय दौरे के दूसरे दिन 28 अगस्त को दौरे के दौरान अशोकनगर जिले के मुंगावली में बाढ़ प्रभावित लोगों से मिले तथा जिस समय बाढ़ प्रभावितों को मुंगावली की नई मंडी के पास त्वरित मूलभूत सुविधा दिलवाने के निर्देश देने की बात कह कर आमजन के साथ मीडिया से भी रूबरू हो रहे थे। उसी दौरान सभास्थल से मात्र करीब 3 किलोमीटर दूरी पर ग्राम के गायत्री मंदिर के पास अवैध शराब विक्रेताओं एवं आतंकियों का अपना बोलबाला कितना है, यह आतंक दिखाकर भाजपा की प्रदेश सरकार को एक सिरे से चुनौती देकर पत्रकार स्वदेश शर्मा द्वारा अवैध शराब विक्रय एवं गांजा विक्रय को लेकर समाचार प्रकाशित होने पर अवैध शराब विक्रेता उर्फ माफिया एवं गांजा विक्रेता की गैंग एकमत हो गई। जिस समय मुंगावली में ज्योतिरादित्य सिंधिया, आमजन व मीडिया से रूबरू हो रहे थे उसी समय पत्रकार के भाई संतोष को जाते देख उसका वाहन दंबगो ने रुकवाकर लट्ठो व हथियारो से हमला कर दिया। उक्त हमले के बाद जैसे-तैसे इन आतंकियों से पत्रकार का भाई संतोष किसी तरह से बच-बचाकर मोहल्ले के एक घर में भागकर अंदर घुसकर अपनी जान बचाने का प्रयास किया। जिसके बाद मामले की वस्तुस्थिति स्थानीय थाने में पदस्थ थाना प्रभारी अजय जाट को दी। तत्पश्चात संतोष ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के आयोजन का कवरेज कर रहे पत्रकार भाई स्वदेश शर्मा के साथ भाजपा से पार्षद पति भाई मनोज शर्मा को फोन कर बताया कि, उस पर अवैध शराब विक्रेताओं और माफियाओं ने यह कहते हुए जानलेवा हमला किया कि, तेरा भाई स्वदेश शर्मा हमारे विरुद्ध समाचार लिखता है आज तुझे व तेरे भाई परिवार की फाइल ही निपटा देते हैं।

पार्षद पति मनोज शर्मा

संतोष शर्मा

मनिष चौहान

पत्रकार स्वदेश शर्मा

उक्त सूचना जैसे ही पार्षद पति मनोज शर्मा व पत्रकार स्वदेश शर्मा को लगी तो वैसे ही ज्योतिरादित्य सिंधिया से रूबरू होते समय वहां से घटनास्थल पर भाई को बचाने के लिए दोनों निकले। वही इस बीच टीआई अजय जाट ने माफियाओं की सांठ-गांठ के साथ उक्त मामले को गंभीरता से नही लिया और मात्र एक आरक्षक को घटनास्थल पर भेज अपने कार्य की इतिश्री कर दी। वही दोनों भाई अपने भाई संतोष जो हमलावरो से बचने के लिए घर में घुसकर शरण ले रखी थी वह बाहर आए उसके पहले ही आतंक के पर्याय माफियाओं ने अपने आतंक का परिचय देते हुए, पत्रकार स्वदेश शर्मा व पार्षद पति मनोज शर्मा के साथ उनके ड्राइवर मनीष पर जानलेवा हमला कर दिया। वही संतोष शर्मा घर से बाहर निकला तो उस पर भी पुनः जानलेवा हमला किया और सरेआम लट्ठ व धारदार हथियारो की बौछार करते हुए पत्रकार, पार्षद पति व उसके भाई के साथ चालक को दौड़ा-दौड़ा कर जब तक मारा जब तक वह बेहोश होकर मरणावस्था में नहीं पहुंच गए।

उक्त घटना को अंजाम देने के साथ क्षेत्र में अपने आतंक का प्रभाव स्थापित कर सरकार व प्रशासन को भी माफियाओं के प्रभाव का कितना बोलबाला है बता कर लट्ठों व हथियारो को लहराते हुए वहां से बिंदास अपने गततत्व पर पहुंचे।

उक्त नजारा आमजन के साथ वहां उपस्थित एक आरक्षक ने भी मुक दर्शक बनकर देखा। जिसके बाद सूचना मिलने पर एंबुलेंस से चारों जख्मी को मेडिसिटी हॉस्पिटल सीधी कॉलोनी भोपाल ले जाया गया। पुलिस ने माफिया और पुलिस की जिस तरह से पूरे प्रदेश में सांठ-गांठ चल रही है, उसी तर्ज पर त्रास कायमी कर माफियाओं को संरक्षण देकर अपने कार्य की इतिश्री किया जाना सामने आ रहा है।

वही पीड़ितों ने दशरथ यादव, बाबू यादव, जगदीश यादव, राजेंद्र यादव, भगत यादव, प्रेमसिंग यादव, रमेश यादव, रामेश्वर यादव, आनंद साहू आदि ने जानलेवा हमला किया कि बात पुलिस को बताई है।

पूरे मामले में देखा जाए तो प्रदेश में माफियाओं के आतंक का बोल-बाला किस स्तर तक है, यह इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि, केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश में भावी मुख्यमंत्री के रूप में देखे जाने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी के साथ माफियाओं ने भाजपा से ही पार्षद पति, परिवार व पत्रकार पर जानलेवा हमला किया गया। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि, भाजपा सरकार में माफिया पुरी तरह से बेखौफ होकर आतंक का पर्याय बन चुके हैं। वहीं पुलिस, माफियाओं की चाटुकार बन माफियाओं को संरक्षण दे रही है जो एक बार फिर ज्योतिरादित्य की मौजूदगी के साथ सर्वविदित हो चुका है।

भाजपा सरकार में आंतक का पर्याय बन चुके माफिया ने सरे बाजार में पार्षद पति एंव पत्रकार के साथ परिवार पर किया जानलेवा हमला।

मुंगावली में केन्द्रीय मंत्री जिस समय बाढ पिडितो के साथ पत्रकारो से रुबरू हो रहे थे, उसी समय माफिया अपने आंतक का परिचय भाजपा सरकार में किस हद तक है का दे रहे थे संदेश।

आज लॉन्च होगी सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ भारतीय वैक्सीन

नई दिल्ली, एजेंसी। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने एक साथ मिलकर सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ भारत की पहली स्वदेशी वैक्सीन 'क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन विकसित किया है। वैक्सीन एक सितंबर यानी आज लॉन्च की जाएगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जितेंद्र सिंह गुरुवार को इस वैक्सीन को लॉन्च करेंगे। नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन और कार्य समूह के अध्यक्ष डॉ एन के अरोड़ा ने कहा है कि, भारत में निर्मित वैक्सीन को लॉन्च करना एक गौरवपूर्ण अनुभव है। उन्होंने कहा, भारत में निर्मित वैक्सीन को लॉन्च करना रोमांच से भरा हुआ है। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारी बेटियां और पोतियां इस बहुप्रतीक्षित वैक्सीन को अब प्राप्त कर पाएंगी।

मवेशी और कोयला तस्करी के लिए ममता ने गृह मंत्री शाह बताया जिम्मेदार

कोलकाता, एजेंसी।

बंगाल में मवेशी और कोयला तस्करी मामले में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की गिरफ्तारी और विपक्ष के आरोपों के बीच मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने अपनी पार्टी व सरकार का बचाव करते हुए भाजपा व केंद्र पर बुधवार को जबर्दस्त हमला बोला। ममता ने अमित शाह का नाम लिए बिना मवेशी और कोयला तस्करी के लिए सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि, इसे रोकने का दायित्व केंद्र का है। यह मेरा दायित्व नहीं है। ममता ने कहा कि, बीएसएफ व अन्य केंद्रीय बल गृह मंत्री के अधीन हैं। कोयला और मवेशियों की तस्करी रोकने का दायित्व किसका है? उन्होंने कहा कि, मवेशी कहां से आते हैं? कभी उत्तर प्रदेश, कभी असम, कभी बिहार, कभी दिल्ली व कभी मध्य प्रदेश से।

एक बार मैंने गाड़ी आना बंद कर दिया था, तो केंद्र ने कहा कि कोई भी गाड़ी रोकी नहीं जाएगी। ममता ने कहा कि, अभी तो मवेशियों की तस्करी बहुत कम हो गई है। मैं तो सिर्फ 11 साल से सत्ता में हूं। उसके पहले क्या हुआ है। केंद्र व मीडिया इसकी भी खबर लें। ममता ने भाजपा पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ समय के लिए बेवकूफ बनाया जा सकता है, लेकिन यह हर समय के लिए संभव नहीं है।

सीबीआई दफ्तर के बाहर आप नेताओं का लगा जमावड़ा

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद संजय सिंह और आप विधायक आतिशी मार्लेना ने पार्टी नेताओं के साथ सीबीआई दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी बीजेपी के ÷ऑपरेशन लोटस÷ के खिलाफ जांच की मांग कर रही है। इनका आरोप है कि बीजेपी ने विभिन्न राज्यों में सरकार गिराने के लिए ऑपरेशन लोटस के तहत 6 हजार 300 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। उधर, आरजेडी नेताओं के खिलाफ हुई छापेमारी को लेकर बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां अपने आकाओं को खुश कर रही हैं।

इससे पहले आतिशी ने ट्वीट कर बताया कि, आप ऑपरेशन लोटस के तहत बीजेपी द्वारा खर्च किए गए 6 हजार 300 करोड़ रुपए की जांच मांग कर रही है। उनका आरोप है कि गैर बीजेपी शासित कई राज्यों की सरकार गिराने के लिए बीजेपी ने यह रकम खर्च की है, जिसकी शिकायत दर्ज करने आप नेता सीबीआई दफ्तर पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री से भी बड़ा बन सकता हूं- गोपाल भार्गव

भोपाल।

मध्य प्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव को लेकर दोनों ही मुख्य पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपने-अपने संगठन को मजबूत करने में लगी हुई हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व को लेकर कई कयास लगाए जा रहें हैं। सियासी गलियारों में उनके बदलने जाने की भी खबरें सामने आ रहीं है। इसी बीच शिवराज सरकार के मंत्री गोपाल भार्गव का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल,वायरल हुआ वीडियो सागर जिले की रहली विधानसभा के रगोली गांव का है। जहां मंत्री गोपाल भार्गव मुख्यमंत्री बनने को लेकर जनता को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भाग्य भगवान ने प्रबल बनाया है तो मुख्यमंत्री बहुत छोटी चीज है देखेंगे जो होगा। इस वीडियो के बाद प्रदेश की सियासी गलियारों में हलचल शुरू हो गई।

जनता को संबोधित करते हुए गोपाल भार्गव ने कहा कि, किसी बात के प्रति ज्यादा अशक्त नहीं होना चाहिए सब अपने आप हो जाता है। अभी जो भी हमारे मंत्री हैं या प्रदेश में जितने भी नेता हैं, वह सब मुझसे राजनीति में बाद आए हैं। इस कारण से आपको विश्वास होना अपने जो भी अपनी आत्मा से मांगा है वो आपको जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इतने वर्षो से मैं राजनीति में हूं, भाग्य भगवान ने इतना बड़ा बनाया है कि मुख्यमंत्री बनना बहुत छोटी चीज है, आगे देखेंगे कि क्या होता है।

सोनिया गांधी की मां का निधन

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का 27 अगस्त को इटली में निधन हो गया। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। सोनिया गांधी पिछले हफ्ते अपनी मां से मिलने के गईं थीं। यह चिकित्सा जांच के लिए उनकी विदेश यात्रा का हिस्सा था, जहां उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा उनके साथ गए थे।

राहुल और प्रियंका पिछले कुछ सालों में कई बार अपनी नानी से मिलने गए। 2020 में जब राहुल गांधी को उनकी लगातार विदेश यात्राओं पर कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा तो पार्टी ने कहा था कि, वह एक बीमार रिश्तेदार से मिलने के लिए इटली की निजी यात्रा पर थे।

सोनिया गांधी की मां के निधन की सूचना कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर दी है।

ऑनलाइन गेम पर हाई कोर्ट की सख्ती

जबलपुर, डेस्क रिपोर्ट।

ऑनलाइन गेम खेलने से बच्चों को हो रहे नुकसान पर अब एमपी हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। एक मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए कि, तीन महीने में ऑनलाइन गैंबलिंग पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की पहल की जाये।

जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने चिंता जाहिर हुए कहा कि, ऑनलाइन गैंबलिंग के कारण युवाओं पर बुरा असर हो रहा है, वे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं। इसलिए राज्य सरकार को अब और इन्तजार ना करते हुए इस पर रोक लगाने की पहल करनी चाहिए।

दरअसल, हाई कोर्ट में सिंगरौली के सनत कुमार के केस के सम्बन्ध में सुनवाई हो रही थी वे ऑनलाइन गैंबलिंग में फंसकर साढ़े आठ लाख रुपये गँवा चुके हैं। सुनवाई उनकी जमानत अर्जी को लेकर थी, सनत कुमार पर आरोप है कि उसने अपने नाना के एकाउंट से करीब 8 लाख 51 हजार रुपये अवैध तरीके से निकाले और ऑनलाइन गेम एवं ऑनलाइन आईपील सट्टे में लगा दिए।

सनत कुमार के खिलाड़ सिंगरौली थाने में धारा 420 सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है, दिसंबर 2021 में उसकी गिरफ़्तारी हुई थी।

डीजे और बैंड-बाजों के साथ निकले भव्य चल समारोह, युवाओं और बच्चों ने जमकर उड़ाया गुलाल, गजानन महाराज की शहर में हुई भव्य आगवानी

बाजारों में दिनभर बनी रहीं रौनक, गणेशजी की मूर्तियों की दुकानों पर रहीं भीड़

माही की गूंज, झाबुआ।

बुधवार को गणेश चतुर्थी अर्थात गणेशोत्सव के प्रथम दिन घट स्थापना पर शहरवासी ''बाप्पा मोरिया ...'' की आगवानी के लिए पूरी तरह लालायित एवं पलक-पावड़े बिछाएं नजर आए। क्या छोटा, क्या बड़ा, सभी में गजानन महाराज की आगवानी करने को लेकर जबर्दस्त उत्साह रहा। घट स्थापना पर सुबह से आरंभ हुआ गणेश प्रतिमाओं के चल समारोह का क्रम रात तक भी चलता रहा।

मुख्य रूप से पॉलिटेक्निक कॉलेज के सैकड़ों युवाओं ने डीजे पर भक्ति भावपूर्वक नांचते हुए ट्रेक्टर में विघ्नहर्ता की प्रतिमा विराजित कर पूरे शहर में चल समारोह निकालकर पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी ''पॉलिटेक्निक कॉलेज के राजा'' की स्थापना की तो वही मालीसेरी में ''युवाओं के राजा'' की चल समारोह के रूप में आदिवासी और फिल्मी गणेशजी के गीतों के साथ बाप्पा मोरिया के जयघोष लगाते हुए स्थापना हुई।

शहर में एक अनुमान के मुताबिक करीब 60 से अधिक पांडालों में मगलमूर्ति विराजमान हुए। इसके साथ ही हजारों घरों में भक्तों ने अपने-अपने घरों पर शुभ मुहुर्त में विघ्नहर्ता की स्थापना कर आरती कर प्रसादी वितरण किया। अब 10 दिनों शहर में धर्म की अनवरत गंगा बहने के साथ पांडालों पर विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी दौर चलेगा।

पिछले दो वर्ष कोरोनाकाल के कारण पूरे देशभर में यह त्यौहार भव्य रूप से नहीं मनाया जा सका था, लेकिन इस वर्ष एक ओर जहां देश और विशव से कोरोना का सफाया होने के साथ ही गणेश चतुर्थी के विशेष दिन शासन एवं जिला प्रशासन की ओर भी स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने से उत्साह चौगुना रहा। बाप्पा की घर-घर, पांडाल-पांडाल स्थापना को लेकर प्रतिवर्ष युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह रहता है, जो इस बार भी जमकर देखने को मिला। जब युवाओं ने नांचते-गाते हुए ''गणपति बाप्पा मोरिया ... चार लड्डू चोरिया ..., एक-दो-तीन-चार, गणपति बाप्पा सुपर स्टार ... के जयघोष के साथ पूरे उत्साहपूर्वक नांचते-गाते हुए, गुलाल उड़ाते हुए चल समारोह के रूप में अपने-अपने पांडालों पर प्रतिमा स्थापना की। बाप्पा की आगवानी के लिए हर कोई उत्साहित और आनंदित नजर आया।

मूर्तियों की दुकानों पर रहीं दिनभर भीड़

शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में भी गणेश प्रतिमा की अपने-अपने पांडालों और घरों पर स्थापना को लेकर अत्यधिक उत्साह रहा। करीब एक सप्ताह पूर्व ही विभिन्न पांडालों और समितियों ने गणेशजी की मूर्तियों की दुकानों पर बुकींग करवा ली थी और स्वयं मंगल तथा शुभ मुर्हुत के देवता गणेशजी की गाजों-बाजों और ढोल-धमाकों के साथ इन दुकानों से प्रतिमाओं का चल समारोह निकाला। कहीं चल समारोह में विघ्नहर्ता गजाननजी को ठेलागाड़ी, ऑटो रिक्शा, कार, जीपों, टाटा मेजिक वाहन, ट्रेक्टर, आयसर वाहन में विराजमान किया गया, तो कई ग्रामीण भक्तजन और युवाजन अपने हाथों में भी दुकानों से गणेशजी की मूर्तियों को लेकर अपने-अपने गंतव्य स्थल की ओर रवाना हुए। इस बार गणेशोत्सव पर काली मिट्टी से बने अर्थात इको फ्रेंडली गणेशजी की भी घरों पर स्थापना को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। उक्त प्रतिमा की भी पूजन-पाठ का विशेष महत्व रहता है।

गणेश मंदिरों पर दिनभर श्रद्धालुओं का चला दर्शन-पूजन का क्रम

गणेशोत्सव की शुरूआत के साथ ही शहर के गणेश मंदिरों पर भी प्रथम दिन श्रद्धालुओं की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ देखने को मिली। शहर के थांदला गेट स्थित चिंतामण गणेश मंदिर, पॉवर हाऊस पर विद्युत मंडल कार्यालय परिसर में स्थित पंचमुखी गणेश मंदिर, कॉलेज मार्ग मार्ग स्थित प्राचीन सिद्धी विनायक गणेश मंदिर, लक्ष्मीनगर में श्री योगेश्वर महादेव मंदिर में विराजित गजाननजी महाराज के दर्शन के लिए दिनभर भक्तों का आना-जाना लगा रहा। 10 दिनों तक मंदिरों पर भगवान का विषेष श्रृंगार के साथ पूजन-पाठ और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न होंगे। गणेशोत्सव आज 31 अगस्त, बुधवार से आरंभ 9 सितंबर, शुक्रवार तक चलेगा।

विधायक कांतिलाल भूरिया तथा नगरपालिका अध्यक्ष मन्नूबेन डोडियार ने उतारी आरती

शहर का सबसे पुराना गणेश मंडल सार्वजनिक गणेश मंडल झाबुआ इस वर्ष 88वां गणेषोत्सव मनाएगा। प्रथम दिन घट स्थापना पर शहर में बैंड-बाजों के साथ भव्य चल समारोह निकालकर राजवाड़ा स्थित सत्यनारायण मंदिर पर मनमोहक गजानन महाराजजी की प्रतिमा स्थापना की गई। यहां मुख्य अतिथि के रूप में विधायक कांतिलाल भूरिया, नगरपालिका अध्यक्ष मन्नूबेन डोडियार तथा कांग्रेस नेत्री सुनिता अलावा ने उपस्थित रहकर भगवान की पूजन के साथ आरती कर शुभ मुर्हुत में पाट पर प्रतिमा विराजमान की गई।

सार्वजनिक गणेश मंडल के मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी ने बताया कि बुधवार को सुबह ठीक 10.30 राजवाड़ा स्थित मंदिर से चल समारोह निकाला गया। जिसमें आगे बैंड-बाजों पर धार्मिक गीतों की प्रस्तुत दी गई। इसके पीछे सार्वजनिक गणेश मंडल के अध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद अग्निहोत्री, संरक्षक डॉ. केके त्रिवेदी, सामाजिक महासंघ के जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर, अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों में मनोज कोठारी, जितेन्द्र शाह, नीरंजनसिंह चैहान, रितूराजसिंह राठौर, यशवंत त्रिवेदी, मनीष त्रिवेदी, युवा सचिव रविराजसिंह राठौर एवं सुनिल चैहान, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक शर्मा, जयेन्द्र बैरागी, संयम चैहान, मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी, अग्निहोत्री परिवार से हेमेन्द्रप्रसाद अग्निहोत्री, जितेन्द्रप्रसाद अग्निहोत्री, देवेन्द्रप्रसाद अग्निहोत्री, विमल कांठी, सुरेन्द्र कांठी, जोगाभाई सिंगाड़ आदि सहित अन्य सदस्य शामिल हुए। यह चल समारोह शहर के श्री गौवर्धननाथ मंदिर तिराहा, आजाद चैक, बाबेल चैराहा, थांदला गेट, जैन मंदिर तिराहा, राधाकृष्ण मार्ग, राजवाड़ा होते हुए पुनः मंदिर पर संपन्न हुआ। इस दौरान सभी ने उत्साहपूर्वक विघ्नहर्ता गजानन गणपति महाराज के उत्साहपूर्वक जयघोष भी लगाए।

अंचल के 135 गांव में होगी गणेश प्रतिमा विराजित

माही की गूंज, थांदला। पिछले 25 वर्षों से सेवा भारती थांदला के तत्वावधान में आयोजित होने वाले गणेश उत्सव के अंतर्गत अंचल के 135 गांव में 350 गणेश प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा वितरण का कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रतलाम विभाग के विभाग प्रचारक विजय गोठी, जिला कार्यवाह आकाश चौहान, सेवा भारती के संकुल प्रमुख बदसिंह कतीजा एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अशोक अरोड़ा की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न ग्राम समितियों से बड़ी संख्या में आयोजक गणेश उत्सव समिति के कार्यकर्ता भक्तजन उपस्थित थे। अंचल में गणेश उत्सव धूमधाम से मनाने को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

घर-घर तथा सार्वजनिक पाण्डालों में विराजे विघ्नहर्ता

माही की गूंज, आम्बुआ। गोरी सुत प्रथम पुज्य भगवान श्री गणेश जी का 10 दिवसीय गणेशोत्सव आज गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर विधि विधान के साथ प्रारम्भ किया गया।

रिद्धि सिद्धि के दाता भगवान शिव के प्रिय पुत्र तथा गौरी नंदन भगवान गणेश जी का 10 दिवसीय आयोजन क्षेत्र मे धूम धाम से मनाया जाता है। 31 अगस्त को गणेश चतुर्थी के शुभ दिन बुधवार को आम्बुआ में विघ्नहर्ता घर-घर तो विराजे। साथ ही सार्वजनिक गणेश उत्सव पाण्डालो में भी गणपति जी विराजित किए गए। आम्बुआ पंचायत प्रांगण, कुम्हार मोहल्ला, इन्दिरा आवास, शंकर मन्दिर स्थित संत कुटिया, गांधी आश्रम चौराहे के पास तथा समीप ग्राम बोरझाड़ के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र अडवाड़ा, झीरण, मोटाउमर, देकालकुआ, जुवारी, टैमाची, हरदासपुर, वड़ी,अगौनी आदि अनेक स्थानों पर विघ्नहर्ता विराजमान किए गए। सभी स्थान पर दिन में दो बार पूजा आरती की जाएगी।

गणेश चतुर्थी पर गूंजे गणपति बप्पा मोरिया के जयकारे

जगह-जगह भगवान गणेश के पांडाल सजे, 10 दिन तक रहेगी गणेशोत्सव की धूम

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिलेभर में गणेश चतुर्थी महोत्सव मनाया जा रहा है। शहर में जगह-जगह पांडालों में भगवान गणपति की अलग-अलग प्रतिमाओं की स्थापना हुई। सुबह से ही भगवान गणेश के भक्त इसकी तैयारियों में जुटे हुए है। शुभ मुहूर्त में विभिन्न जगहों पर सजे पांडालों सहित घरों में गणपति स्थापना की गई। जिलेभर में गणेश चतुर्थी महोत्सव मनाया जा रहा है। शहर में जगह-जगह पांडालों में भगवान गणपति की अलग-अलग प्रतिमाओं की स्थापना हुई। सुबह से ही भगवान गणेश के भक्त इसकी तैयारियों में जुटे हुए है। शुभ मुहूर्त में विभिन्न जगहों पर सजे पांडालों सहित घरों में गणपति स्थापना की गई। इस दौरान श्रद्धालु गाजे-बाजों से धूमधाम के साथ गणेश प्रतिमाओं को पांडालों पर लेकर पहुंचे। भगवान गणेश को लड्?डुओं का भोग लगाया। शहर में विभिन्न जगहों पर झांकियों में भगवान गणपति अलग-अलग मुद्राओं में विराजमान किए गए। अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव की धूम रहेगी। लोगों ने मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को विधि-विधान से स्थापित कराया। इस दौरान श्रद्धालु गाजे-बाजों से धूमधाम के साथ गणेश प्रतिमाओं को पांडालों पर लेकर पहुंचे। भगवान गणेश को लड्?डुओं का भोग लगाया। शहर में विभिन्न जगहों पर झांकियों में भगवान गणपति अलग-अलग मुद्राओं में विराजमान किए गए। अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव की धूम रहेगी।

दस दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत

दस दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत बुधवार से हुई। शुभ मुहूर्त में श्री गणेश की स्थापना घर, प्रतिष्ठानों सहित प्रमुख पंडालों में की गई। उत्सव से पहले बुधवार को रामदेवजी मंदिर के समीप मूर्ति खरीदने के लिए लोगों की भीड़ रही। अधिकतर लोग बच्चों को लेकर पहुंचे। किसी ने बाल स्वरूप में बैठे हुए गणेश की मूर्ति पसंद कि तो किसी ने माता पार्वती के साथ बैठे गणेश। बच्चों का उत्साह बाल गणेश की मूर्तियां खरीदने पर अधिक रहा।

दिन भर रही बाजार में रौनक

बुधवार को सुबह से लेकर देर शाम तक बाजार में रौनक बनी रही। यह रौनक गणेश चतुर्थी की रही। भगवान गणेश की प्रतिमाओं के साथ पूजन सामग्री को खरीदने का क्रम चलता रहा। बाजार में विघ्न विनाशक की बेहद सुंदर प्रतिमाएं उपलब्ध रहीं। जिन्हें खरीदने दुकानों पर भीड़ लगी रही। घरों में भी गणेश चतुर्थी को लेकर तैयारियां चलती रही।

सेवा भारती झाबुआ के माध्यम से ग्रामीण अंचलों में होगी 700 से अधिक गणेश जी की स्थापना

माही की गूंज, पेटलावद।

25 से अधिक वर्षों से सेवा भारती झाबुआ क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में गणेश उत्सव के दौरान गणेश प्रतिमाओं की घट स्थापना करती आ रही है। इस बार भी सेवा भारती द्वारा आयोजित होने वाले गणेश उत्सव के अंतर्गत अंचल के 560 गांव में 700 से अधिक प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी। जिसमें सेवा भारती के कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रत्येक खंड स्तरीय उपखंड स्तर पर प्रतिमाओं का वितरण किया गया। रायपुरिया, पेटलावद, सारंगी, करवड, बामनिया, खवासा, थांदला, काकनवानी, मदरानी, हरीनगर, मेघनगर, झाबुआ, राणापुर, कालीदेवी, रामा, कल्याणपुरा आदि स्थान पर प्रतिमाएं वितरित की गई। कुछ स्थानों पर अन्य संगठन के माध्यम से भी प्रतिमाएं पहुंचाई गई। इस अवसर पर ग्रामीण जन बड़ी उत्साह और जोश के साथ जुलूस रैली के माध्यम से प्रतिमाएं अपने गांव की ओर ढोल मांदल से स्वागत करते हुए अपने गांव स्थापित करने के लिए ले गए। ग्रामीणों में अनेक-अनेक प्रकार की उत्साह प्रकट हो रहा है। सेवा भारती के कार्यकर्ताओं द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को सूचित किया गया है कि, आप अपने-अपने गांव उत्साह के माध्यम से जुलूस निकालकर स्थापना करना है। उसके पश्चात 10 दिन सेवा होने के बाद जो विसर्जन का कार्यक्रम होना है। वह कार्यक्रम अपने ही गांव में बड़ी धूमधाम से विसर्जन करना ऐसी अनेक प्रकार की बातें हर एक सेवा भारती उपखंड प्रमुखों के माध्यम से कहीं गए। सेवा भारती योजना प्रमुख के माध्यम से कहा गया है कि, जहां पर बड़े स्थानों पर झांकियां निकलनी है उसे स्थानों पर व्यवस्थित तरीके से झांकी को सजा कर जाति स्थान पर ले जाना किसी प्रकार की अनहोनी न हो। इसी की चिंता करते हुए सभी कार्यकर्ताओं को सूचित किया गया। जिसमें अनेक स्थानों पर संघ के दायित्ववान कार्यकर्ताओं उपस्थित होकर प्रतिमा वितरण करवाई गई।

घर-घर विराजे बप्पा, धूमधाम से हुई स्थापना

नगर परिषद चुनावो के चलते बड़े पंडालों में देखने मिलेगा राजनीति रंग

अंबिका चौक, सीरवी मोहल्ला, माधव कॉलोनी, माही कॉलोनी, राजापुरा, राम मोहल्ला, गणपति चौक, शनी मंदिर सहित कई स्थानों पर गणपति बप्पा हर गली मोहल्ले में विराजमान हुए है। लोगो मे काफी उत्साह देखा गया ग्रामीण अंचलों में बड़ी-बड़ी मूर्तियां काफी आकर्षित कर रही थी जगह जगह पर पांडाल सजे हुए हे। आगामी दिनों में नगर परिषद के चुनाव होने की संभावना है जिसके चलते बड़े पांडालों में राजनीतिक रंग भी देखने को मिलेंगे। पार्षद पद के दावेदार अपने अपने वार्ड में बने गणेश पांडाल से जुड़ कर मतदाताओं को साधने के प्रयास करते दिखेंगे।

माही की गूंज, पेटलावद।

शुभ मुहूर्त में गणपति जी की स्थापना की गई। हर घर में विराजमान हुए विघ्नहर्ता सुबह से बाजारों में मूर्ति खरीदने के लिए भक्तजन पहुंचे। दुकानों पर कोई अपने सिर पर बप्पा को उठाकर ले जा रहे थे तो कोई दो पहिया वाहन पर ले जा रहे थे। साथ ही ढोल धमाकों व ताशों से से बप्पा की अगवानी की गई 10 दिनों तक ग्रामीण अंचलों में गणेशोउत्सव की धूम रहेगी। नगर में गांधी चौक, पुराना नाका मित्र मंडल, नया बस स्टैंड,

मंगलमूर्ति की स्थापना के साथ गणेशोत्सव प्रारंभ

माही की गूंज, खवासा।

विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता सिद्धि विनायक श्री गणेश जी स्थापना के साथ ही दस दिनी गणेशोत्सव की शुरुआत हुई। इस वर्ष घर-घर में गणेश जी स्थापना की गई। इस बार बाजार की मूर्ति की बजाए कई घरों में मिट्टी के गणेश जी बनाकर स्थापना की गई, जिसमें आस्था के साथ पर्यावरण का ध्यान रखा गया। स्थानीय श्री गणेश मंदिर पर ठीक दोपहर 12 बजे महाआरती की पं. अशोक व्यास द्वारा की गई, इस अवसर पर पं. ओम प्रकाश दुबे के आचार्यत्व मैं महायज्ञ का भी आयोजन किया, जिसमें यजमान अर्जुन चौहान थे। इसके साथ ही ग्रामीण अंचलों में भी जगह-जगह गणेश जी के पांडाल सजाकर शुभ मुर्हत मैं विघ्नहर्ता की स्थापना की गई है। गणेशोत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी पर आकर्षक झांकिया के साथ गणेश जी की विदाई के साथ किया जाएगा।

भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा का विस्तार एवं सदस्यता अभियान प्रारम्भ

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद स्थित शासकीय महाविद्यालय परिसर मे आदिवासी परिवार द्वारा पूर्व मे गठित सामाजिक छात्र ईकाई भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा के विस्तार एवं सदस्यता अभियान के संदर्भ मे एक बैठक आयोजित की गई। बैठक मे आदिवासी परिवार सामाजिक मंच के सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित हुऐ। बैठक मे बीपीवीएम के विस्तार एवं सदस्यता अभियान के संदर्भ में आवश्यक चर्चा की गई। ज्ञात हो कि भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा राजस्थान के उदयपुर संभाग के वागड़ क्षैत्र में अपनी पेठ जमा चुका है। गत दिनों राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयीन छात्रसंघ चुनाव मे इस छात्रसंघ को युवाओं का प्रबल समर्थन मिला। जिसकी बदौलत उदयपुर सम्भाग के 30 महाविद्यालयों मे से कुल 21 पर भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा के युवा निर्वाचित हुए। झाबुआ जिले में पेटलावद सहित अन्य शासकीय महाविद्यालयों मे छात्रों के हितों के लिऐ भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा पहले से कार्यरत है।

उक्त बैठक के माध्यम से इसका विस्तार एवं सदस्यता अभियान को सफल बनाने कि कार्यनीति पर विचार-विमर्श किया गया। पिछले दिनों भीलप्रदेश विद्यार्थी मोर्चा के पूर्व जिला संयोजक लतेशजी अड़ कि असामयिक मृत्यु हो जाने पर शोक संवेदना व्यक्त की गई तथा वर्तमान जिला संयोजक के रूप मे रवि निनामा को बैठक मे आमराय से नियुक्त किया गया। बैठक मे बीपीवीएम पेटलावद कि विस्तारित कार्यकारिणी में संयोजक मुकेश भाभर, सह संयोजक अन्नू सोलंकी, कमलेश निनामा, सचिव मोनू निनामा, सह सचिव शंकरलाल बारिया, माया परमार, कोषाध्यक्ष बंटी मैड़ा, सह कोषाध्यक्ष नारजी सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष कविता परमार, प्रवक्ता विवेक गरवाल, राकेश मैड़ा, महेश गुण्डिया, मिडिया प्रभारी रामू ताड़, प्रचारक किरण गरवाल, सदस्य माँगीलाल मैड़ा, नंदराम निनामा, फाल्गुनी पाटीदार व मार्गदर्शक ईश्वरलाल गरवाल को बनाया गया।

आदिवासी परिवार सामाजिक मंच के कार्यकर्ता सचिन गामड़, दशरथ बारिया, ईश्वरभाई गरवाल, धर्मेंद्र डामर, कांतिभाई गरवाल, दिनेश सिगाड़, थावरसिग होलेकी, प्रकाश डामर, सुरेश भाभर, मनोज डामर, निलेश मुणीया, पवन मैड़ा, दिलीप अरड़, बाबु मैड़ा, हिमत सिगाड, अनिल वसुनिया आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन दिनेश सिगाड़ व निलेश मुणीया ने किया व आभार व्यक्त धनराज मैड़ा ने किया।

दिया तले अंधेरा, नपा के समीप ही लगती खुले में मास की दुकानें, गंदगी का लगता है अंबार

अतिक्रमण के नाम पर गरीबों पर गिरती नगरपालिका की गाज, मास विक्रेताओं को खुली छूट

माही की गूंज, झाबुआ। मुज़म्मील मंसूरी

जिला मुख्यालय की नगरपालिका आए दिन सुर्खियों में बनी रहती है। कभी स्वच्छता सर्वेक्षण में फिसड्डी होने को लेकर, जल प्रदाय को लेकर, कभी अपनी कंगाली को लेकर, तो कभी अतिक्रमण के नाम गरीबों को उजाड़ने को लेकर नगरपालिका अखबारों की सुर्खियों में लगातार बनी रहती है। मगर अक्सर देखने में यह आता है कि नगरपालिका के आसपास ही सारी अव्यवस्थाएं लगातार बनी रहती है। गंदगी की बात करें या अतिक्रमण की नगरपालिका की स्थिति दिया तले अंधेरा जैसी ही दिखाई पड़ती है। स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर लाखों करोड़ों खर्च करने वाली नगरपालिका अपने आसपास ही सारी गंदगी समेटे हुए है। दिखावे भर के लिए नगरपालिका के कर्मचारी और जिम्मेदार पूरे नगर में ढिंढोरा पीटते फिरते है। नगरपालिका के द्वारा अतिक्रमण के नाम पर हमेशा गरीब लोगों को लगातार परेशान किया जाता रहा है। स्थाई समाधान के कभी प्रयास नगरपालिका व प्रशासन द्वारा अब तक नहीं किए गए है। कुछ महीनों पहले नगरपालिका द्वारा शहर में एक बड़ी अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाई गई थी जिसके बाद कलेक्टर ने खुद नगरपालिका सीएमओ के साथ मिलकर शहर का मुआयना किया था और जिन लोगों के अतिक्रमण हटाए गए उन्हे फिर से नई व्यवस्थाओं के साथ नई जगह देने को लेकर योजना बनाई गई थी। लेकिन जिला मुख्यालय की बिगड़ेल नगरपालिका व उसके जिम्मेदार कामचोर अधिकारियों ने कलेक्टर के निर्देशों को हवा में उड़ दिया। अब शहर की स्थिति इतनी बड़ी अतिक्रमण हटाओ मुहिम के बावजूद ढाक के तीन पात साबित हो रही है।

गंदगी की बात करें तो शहर में जहां -तहां गंदगी के ढेर आसानी से देखने को मिल जाते है। कई स्थानों से तो महीनों कर्चे के ढेर उठाए ही नहीं जाते। खुद नगरपालिका परिषद के प्रांगण व उसके सामने गंदगी के ढेर से निकलने वाली बदबू अक्सर राहगीरों को मुंह पर हाथ रखने को मजबूर करती रहती। नगरपालिका भवन के एक ओर नारियल के कचरे का ढेर है तो दूसरी ओर से निकलने वाले रास्ते पर खुले में लगने वाले कत्लखाने नगरपालिका की कथनी और करनी में साफ अंतर दर्शा रहे है। नगरपालिका के समीप से निकल कर कुम्हारवाड़े को जाने वाले रास्ते पर मानों आम इंसान का निकलना दुभर हो गया है। समीप ही नगरपालिका द्वारा बनाए गए काम्प्लेक्स में अधिकतर दुकानें कसाईयों ने ले रखी है। जिन से निकलने वाली गंदगी और बदबूदार अपशिष्ट पदार्थ खुले में फैंक दिए जाते जिसके चलते यहां 24 घंटे भयानक गंदगी और बदबू पसरी पड़ी रहती। उस पर सितम यह कि यहां पर लगने वाली दुकानों के बाहर भी सड़क पर अतिक्रमण करते हुए पटिये लगाकर खुले में मासाहारी दुकानें लग रही है। आलम यह है कि अतिक्रमण कर खुले में लगने वाली इन मासाहार दुकानों पर खुलेआम मुर्गियों को कत्ल कर उनकी खाल उधेड़कर पटिये पर सजाकर रख दिया जाता है। मुर्गियों से निकलने वाली गंदगी और अपशिष्ट पदार्थों को जहां-तहां फैंकने से इस मार्ग पर गंदगी की भरमार है। दोपहर ढलते - ढलते सोने पर सुहागा यह हो जाता कि यहां मछली बाजार भी आबाद हो जाता है। इसके बाद के आलम का तो भगवान ही मालिक है। मछली व मुर्गियों को काटने के बाद निकलने वाली गंदगी को आवारा कुत्तों व अन्य जानवर इधर-उधर लेकर दौड़ते रहते और गंदगी तो फैलाते रहते।

– नगरपालिका के समीप ही पसरी पड़ी है गंदगी।

– नपा के समीप का वह मार्ग जिस पर लगती है मांसाहार की दुकानें। पर्युषण पर्व के चलते बुधवार को रही बंद। तखत पर सजती है खाल खींची मुर्गियों की दुकानें।

यहां से गुजरना भी है मुश्किल

नगरपालिका भवन के समीप इस तरह की गंदगी नगरपालिका के जिम्मेदारों पर सवाल ही खड़े करती नजर आ रही है। अतिक्रमण, आवारा कुत्ते और गंदगी यह सब नगरपालिका के आसपास ही मौजूद है। हालात इतने गंभीर है कि कोई भी सज्जन व सात्विक व्यक्ति इस गली की तरफ अपना रूख भी नहीं करना चाहता। अतिक्रमण कर सजाए गए मासांहार के पटियों पर सजे मांस मटन से अगर कोई अपनी निगाहे बचा भी ले तो उसे इन दुकानों से निकलने वाले गंदे व खून भरे पानी से बच पाना मुश्किल ही है। नगरपालिका के समीप लगे इस मांसाहार के बाजार के करीब ही शैक्षणिक संस्थाएं भी है, जहां हर वर्ग का व्यक्ति अपने बच्चों को लेने व स्कूल छोड़ने के लिए यहां से गुजरता है। दोपहर बाद तो यहां स्थिति इतनी भयावह हो जाती कि इस मार्ग से निकल पाना भी मुश्किल ही है। खुले में बिक रहे इस तरह के मांस का किसी तरह से कोई परीक्षण प्रशासनिक अमले द्वारा नहीं किया जाता। नगरपालिका ने इन्हे कभी यहां से हटाने की कोशिश तो ठीक गंदगी को लेकर चैतावनी तक नहीं दी। अब आलम यह है कि यह मार्केट खुला स्लॉटर हाऊस बन चुका है जो आमजन के लिए नासूर बनता जा रहा है।

जिला मुख्यालय पर नहीं है कोई स्लॉटर हाऊस

जिला मुख्यालय पर लगने वाली इन मासांहार की दुकानों को लेकर कई बार अखबारों में यह समस्या उठाई जाती रही है, लेकिन नगरपालिका अब तक इसका कोई स्थाई समाधान नहीं खोज पाई है। जब-जब इन मासांहार की दुकानों को लेकर मामला गर्माता नगरपालिका के निकम्में अधिकारियों का इस मुद्दे पर रटा-रटाया जवाब होता कि स्लॉटर हाऊस के लिए जगह ढूंढी जा रही है। वर्षों हो गए लेकिन नगरपालिका स्टॉटर हाऊस के लिए अब तक जगह नहीं ढूंढ पाई है। इसे नगरपालिका का निकम्मापन कहें या कामचोरी या फिर यह मान लिया जाए कि नगरपालिका इन मासांहार की दुकानों को यहां से हटाना ही नहीं चाहती। यह भी हो सकता है कि शहर के बीचो-बीच लगने वाली इन अवैध मांस की दुकानों को यहां से ना हटाने के लिए इन व्यापारियों की नगरपालिका के निकम्मों की जैबे भारी भरकम रकम देकर भरी हो। वरना नगरपालिका के लिए यह इतना मुश्किल काम भी नहीं है कि स्लॉटर हाऊस के लिए जगह तलाश कर शहर में लगने वाली तमाम मांस की दुकानों शहर के बाहर शिफ्ट ना किया सके। करीब ढाई दशक पहले जहां नगरपालिका का भवन है वहां पर स्लॉटर हाऊस हुआ करता था। पुराने स्लॉटर हाऊस को तोड़कर यहां नगरपालिका का भवन बना दिया गया, मगर स्लॉटर हाऊस की व्यवस्था नगरपालिका ढाई दशक बाद भी आज तक नहीं कर पाई। इस अंतराल में कई परिषदें बनी, जिसमें भाजपा व कांग्रेस दोनों ही शामिल है, मगर शहर की गंदगी दूर करने और मांसाहार की दुकानों को शहर के बाहर शिफ्ट करने की कोई प्लानिंग अब तक तो नजर नहीं आ रही है। ना ही ढाई दशक के इस लंबे अंतराल में नगरपालिका स्लॉटर हाऊस के लिए कोई जमीन तलाश सकी है। जबकि यह शहर की जनता के लिए एक अहम मुद्दा बनता जा रहा है। वर्तमान में नगरपालिका में कांग्रेस की परिषद है, जिसका भी कार्यकाल इसी महीनें में पूरा होने जा रहा है। आने वाली परिषद किस दल की होगी यह भविष्य के गर्त में है, लेकिन यह तय है कि आने वाली परिषद के लिए यह गंभीर समस्या मुंह बाहे खड़ी है।

अतिक्रमण के नाम पर नपा का ढकोसला

वैसे तो शहर में कई जगहों पर अतिक्रमण पसरा है लेकिन यह अतिक्रमण गरीब लोगों ने अपने पेट पालने को लेकर किया है। मगर नगरपालिका को यह अच्छा नहीं लगता और आए दिन यह गरीबों की रोजीरोटी को रोंदती दिखाई पड़ती है। इसके उलट नगरपालिका के निकम्मे अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्यालय के समीप से ही गंदगी व अतिक्रमण नहीं हटा पा रहे है। नगरपालिका के समीप लगने वाला मासाहार का यह बाजार गंदगी और अवैध कत्लखानों का पर्याय बन चुका है। नगरपालिका प्रशासन के जिम्मेदार निकम्मों और आंख के अंधों को यह दिखाई नहीं देता या यूं कहें कि दिया तले ही अंधेरा नजर आ रहा है।

कवि निसार पठान रम्भापुरी ने प्रेम नगरी मांडव में देशभक्ति कविता से राष्ट्रीयता का संचार किया

माही की गूंज, रम्भापुर।

नगर के राष्ट्रीय कवि व अब तक पच्चीस वर्षों में सोलह सौ से अधिक कवि सम्मेलन में पन्द्रह राज्यों में गांव जिला व प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले कवि निसार पठान रम्भापुरी काव्य समागम मांडव में 108 कवियों के मधय काव्य सेतु सम्मान से सम्मानित हुए। पठान ने 'गर्व से कहते हम है हिन्दुस्तानी' व 'राम के दरबार में सद्भावना का प्यार है मेरी कविता' से सात राज्यों दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखंड से आएं नवोदित व वरिष्ठ कवियों के बीच नर्मदा साहित्य समिति के आयोजन में अपनी छाप छोड़ी। आयोजन समिति के अध्यक्ष धीरज शर्मा नालछा व उपाध्यक्ष कुलदीप रंगीला ने पठान का सम्मान भी किया। मालवा निमाड़ के उक्त प्रथम दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सत्र में पठान ने कालीदास सत्र में अपना काव्य पाठ किया। जिसकी अध्यक्षता प्रखर गीत ऋषि रमेश शर्मा चिंतोड़गढ़ ने की। उक्त आयोजन में रामनारायण उपाध्याय, पीरुलाल बादल, ओम् व्यास ओम, ठाकुर गिरीवर जी, भंवर लाड़ सिंह गुर्जर आदि सत्र का आयोजन हुआ। हर सत्र में पन्द्रह प्रतिभागियों ने सहभागिता की। वरिष्ठ कवि हास्य व्यंग दिनेश दिग्गज, हास्य सम्राट पंडित अशोक नागर, मुकतकार पंकज अंगार, श्रृंगार की कवियित्री दिल्ली से पधारी नमिता नमन आदि वरिष्ठ दर्शक श्रोताओं में शुमार कवियों का मार्गदर्शन कर रहे थे। अभिव्यक्ति साहित्य संस्था से इस सत्र में जिले के वरिष्ठ साहित्यकार एमएल फूलपगारे गुलशन, कवियित्री माही गुरूगाम हरियाणा, श्याम शर्मा सागर ने भी सहभागिता की। संचालन वरिष्ठ ओजस्वी कवि नरेन्द्र अटल ने व आभार युवा कवियित्री अपूर्वा चतुर्वेदी ने माना।

पन्द्रह लोगों के बीच सम्पन्न हुई शांति सीमित की बैठक

माही की गूंज, पारा।

आगामी धार्मिक त्योहारो को लेकर शांति सीमित के बैठक के लिए पारा चोकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ ने मैसेज जारी कर गांव के पत्रकारों व ग्रामीणों को बैठक में शामिल होने की अपील की गई थी। बैठक 30 अगस्त मंगलवार को पारा पुलिस चौकी पर रखी गई थी। बैठक में गांव के चार-पाच पत्रकार व आठ-दस गांव के लोग शामिल हुए, कुल मिलाकर दस पंद्रह लोग थे। जब की गांव में लोग हजारों की संख्या में है। बाकी लोग बैठक में शामिल नहीं हुए जो चिंता का विषय है। पिछले दिनों वर्षो से बैठक के हालात वैसे के वैसे ही रहे। गांव वाले बैठक में नहीं आए।

चौकी प्रभारी मलीवाड ने अपनी बात लोगो के बीच रखी बैठक में बताया गया कि, आगामी धार्मिक त्यौहारों को देखते हुए शांति सीमित की बैठक रखी गई। गणेश उत्सव, नवरात्रि आदि त्योहारों पर लोगो को शांति बनाए रखने को कहा। श्री गणेश उत्सव आयोजन कार्यकर्ताओं को कहा गया कि, कार्यक्रम के दौरान अपने कार्यकर्ता आयोजन स्थल पर जिम्मेदारी से रहे ताकि किसी प्रकार का कोई विघ्न न हो। पंडालों में किसी प्रकार का वाद विवाद नही होना चाहिए। अगर किसी प्रकार की कोई घटना हो तो तत्काल पारा पुलिस चौकी पर सूचना दे। अभी खेतो में मक्का बड़ी हो गई है अज्ञात बदमाश चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे सकते है। पारा पुलिस आप से सहयोग की उपेक्षा करती है।

ज्ञात रहे कि, पूर्व चौकी प्रभारी सुनीता चौहान के कार्यकाल में व्यापारी संगठन के गिने चुने व्यापारी बड़े बनकर महिला प्रभारी का अभिनंदन करने गए थे। बाकी व्यापारी संगठन नाराज भी हुआ था। क्योंकि आधे संगठन को इस मामले की जानकारी नहीं थी। व्यापारियों ने पूर्व प्रभारी के आगे रहकर अपनी बात रखी प्रभारी को कहा गया। पारा पुलिस को जब कभी भी हमारे सहयोग की जरूरी होतो तो हमारा संगठन सदा तत्पर रहेगा। बैठक में आए लोगो का कहना था कि, वर्तमान चौकी प्रभारी ने मैसेज तो सभी को किया था। सहयोग करने वाले संगठन को बैठक की जानकारी नही नहीं थी क्या। ÷हाथी के दांत दिखने के अलग व खाने के अलग÷ वाली बात चितरार्थ हो गई।

श्रीमद्भागवत सप्ताह का होगा आयोजन

माही की गूंज, थान्दला।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के श्री बाँके बिहारी मंदिर, श्री शांतिआश्रम, श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, श्री सांवलिया सेठ मंदिर एवं श्री हनूमान अष्ट मंदिर (बावडी) पर श्रीमद्भागवत सप्ताह भाद्रप्रद सुदी सप्तमी 3 सितंबर शनिवार से प्रारंभ हो रहा हैं। जो भाद्रप्रद पूर्णिमा 10 सितंबर शनिवार तक आयोजित होगा। उक्त जानकारी देते हुए मणिलाल नागर, अशोक अरोरा, भेरुलाल मेहते, कमलेश नागर एवं किशोर आचार्य ने बताया कि, कथा का वाचन क्रमशः श्री बालमुकुन्दजी आचार्य, श्री किशोरजी आचार्य, डॉ. श्री उमेशजी शर्मा, पंडित श्री विनोदजी (उज्जैन), श्री प्रदीपजी उपाध्याय (नागदा वाले) द्वारा किया जाएगा। इस सप्ताह में 3 सितंबर शनिवार को माहात्म, 4 सितंबर रविवार को श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ, 6 सितंबर मंगलवार को डोल ग्यारस पर आकर्षक झूले निकाले जाएंगे। 7 सितंबर बुधवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 9 सितंबर शुक्रवार को अनन्तनारायण पूजन, महाराज कंस के वध एवं 10 सितंबर को श्री रूक्मणि विवाह तथा श्री सुदामा चरित्र की कथा के साथ कथा को विराम दिया जाएगा।

पोर्टल पर उपलब्ध है जानकारी वहां से ले लो, सूचना अधिकार कानून की धज्जियां उड़ाते सचिव महोदय

माही की गूंज, करवड़।

ग्राम पंचायतों से सूचना अधिकार में मांगी गई जानकारी शेर के मुंह से निवाला छीनने जैसा प्रतीत होता है। यहां जानकारी मांगने वाले को इस कदर गुमराह किया जाता है कि भोपाल तक जाने पर भी जानकारी नही मिलती है। मामला ग्राम पंचायत करवड़ का जहॉ पवन सिनम नाम के व्यक्ति ने ग्राम पंचायत से मनरेगा के कार्यो में जारी मजदूरी भुगतान के मस्टर की प्रमाणित प्रति चाही। ग्राम पंचायत ने आवेदन स्वीकार कर निश्चित तिथि पर जानकारी देने को रसीद दे दी। लेकिन जब आवेदनकर्ता जानकारी लेने पहुँचा तो ग्राम पंचायत के सचिव ने एक पत्र ग्राम पंचायत के लेटर पेड़ पर जारी करते हुए कहा कि, मनरेगा के मजदूरी भुगतान के मस्टर भारत सरकार के पोर्टल पर उपलब्ध है वहा से प्राप्त कर ले। अब सचिव महोदय को कौन समझाए कि कोई भी जानकारी पोर्टल से नही कार्यालय से प्रामाणित होने के बाद ही उपयोग में आती है।

जानकारी मांगने वाले पवन सिनम के अनुसार इस मामले में अपील भी करेगे ओर शिकायत भी दर्ज करवाएंगे। ग्राम पंचायतों सहित कई विभागों में जानकारी के लिए आरटीआई के उपयोग लोग करते है। लेकिन बहुत कम मामलों में आवेदनकर्ता तक जानकारी पहुँच पाती है। ज्यादातर मामलों में अपील के बाद आधी-अधूरी जानकारी दे दी जाती है। यहां तक कि दिए जाने वाले दस्तवजो को प्रमाणित तक नही किया जाता। जो कि सूचना अधिकार अधिनियम का खुला उलंघन है। जिसके लिए कानून में अर्थदंड के प्रावधान भी है। लेकिन कोई जिम्मेदार इस ओर कार्यवाही नही करता

बाद में जानकारी मांगने वालों को भोपाल अपील करनी पड़ती है। जहॉ तारीखों पर जाने आने के खर्चे ओर समय बर्बाद होने के कार्य जानकारी का आवेंदन फाइलों दब कर रह जाता है।

क्या उमीदो पर खरे उतरेंगे नवागत चौकी प्रभारी श्याम कुमावत...!

अवैध शराब बिक्री, सट्टा व बार-बार लगने वाले ट्रैफिक से निपटना होगी बड़ी चुनौती

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

पुलिस अधीक्षक अरविंद तिवारी ने पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए कई थाना व चौकी प्रभारी का स्थान परिवर्तन किया है। बामनिया चौकी प्रभारी नरेश ननामा को एसपी ने हटाकर पेटलावद थाने पर भेज दिया है, वही बामनिया चौकी प्रभारी पर श्याम कुमावत को पदस्थ किया है। नए चौकी प्रभारी ने कार्यभार भी संभाल लिया है। अब देखना ये है कि, किस तरह नवागत चौकी प्रभारी अवैध धंधों जैसे शराब, सट्टे पर शिकंजा कसते है व अव्यवस्थित ट्रैफिक से बार-बार लगने वाले जाम से ग्रामवासियो की समस्याओं का निराकरण करते है।

चौकी प्रभारी जी इस गांव में टॉपरी-टॉपरी में बिकती है शराब

दुकानों की आड़ में व ढाबे पर अवैध शराब बेची जाती है। पेटलावाद रोड, रतलाम रोड, नारेला रोड या अमरगढ़ रोड हो कई दुकानों पर अवैध शराब बेची जाती है। कई बार इन जगहों पर आबकारी पुलिस कार्रवाई के नाम पर कुछ शराब पकड़कर इतिश्री कर लेती है। कार्रवाई के बाद ये लोग फिर अवैध शराब बेचने लग जाते है और ये शराब का अवैध कारोबार बंद नही होता।

गली-गली में चलता है सट्टा

अब तो रतलाम रोड हो या स्टेशन की तरफ वाली रोड हो या अंडा गली सभी जगह सट्टे के पाने भरने वाले कहे रहते है और कई लोग मोबाइल के जरिए सट्टे के अवैध कारोबार में लिप्त है। मैच का सट्टा भी यहाँ बहुत बडी मात्रा में होता है। इस गोरख धंदे में नगर सहित ग्रामीण लोग भी फस कर बर्बाद हो रहे है। पुलिस द्वारा अवैध शराब की तरह सट्टा खाईवालों वालो पर भी छोटी-मोटी कार्रवाई कर इन्हें छोड़ दिया जाता है। इसके बाद ये फिर से अपना अवेध धंधा चालू कर लेते है। बड़े पैमानें पर सट्टे का कारोबार करने के लिए सटोरिए पुलिस को ऊपर तक मासिक बंदी देना का दावा करती है।

ट्रैफिक की हालत खराब, बार-बार लगता है जाम

रतलाम से पेटलावद होते हुए सीधा मार्ग झाबुआ जाता है। पेटलावद और थांदला के बीच मे टोल होने से बड़े वाहन कर्मी टोल के पैसे बचाने के लिए बड़े वाहनों को रतलाम से बामनिया होते हुए झाबुआ ले जाते है।

ग्राम में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। रतलाम-झाबुआ मार्ग पर दिन भर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है और ग्राम के मुख्य चोराहे सहित नारेला रोड, अमरगढ़ रोड पर लगने वाली अव्यवस्थित दुकानों व पेटलावद रोड व रतलाम रोड किनारे खड़े अव्यवस्थित दो पहिया और चार पहिया वाहनों के कारण यहां दिन में दस बार जाम की स्थिति बनती है व कई बार विवाद की भी स्थिति बन जाती है। जिससे निपटाने के लिए पुलिस के पास कोई व्यवस्था नही है। नए चौकी प्रभारी पर अवैध धंधों और ट्रैफिक व्यवस्था से निपटने की बड़ी चुनौती है।

आगामी त्यौहार को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, मेघनगर।

परवा धीराज पर्युषण महापर्व, गणपति स्थापना से लेकर गणपति विसर्जन एवं डोल ग्यारस आदि त्यौहारो को लेकर नगर के थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के लिए विशेष रूप से नगर के गणमान्य नागरिक, संगठन के सदस्य, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों और पत्रकारों के साथ शांति समिति के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। प्रशासन की ओर से बैठक में तहसीलदार रविन्द्र चौहान और थाना प्रभारी तुरसिह डाबर उपस्थित थे।

बैठक में त्योहारों को शांतिपूर्ण रूप से मनाने के लिएँ उपस्थित लोगों से सुझाव मांगे गए। सभी ने प्रशासन को श्री गणेश स्थापना के स्थानों की जानकारी देने के साथ-साथ विभिन्न चल समारोह के बारे में भी बताया और प्रशासन से विभिन्न सहयोग की अपेक्षा पर भी जानकारी दी। थाना प्रभारी श्री चौहान ने सभी को सहयोग करने का आश्वासन देने के साथ-साथ लोगों से अपील की कि, सभी लोग प्रशासन का सहयोग करें। शांतिपूर्ण तरीके से त्योहारों को मनाए। प्रशासन और आम जनता के बीच समन्वय इस तरह का हो कि हम सभी उत्साह उमंग और आस्था के साथ बिना किसी विवाद के आगामी समय में त्यौहारों को परस्पर सहयोग से मनाते रहे।

संपादकीय

भारतीय सीमा में अशांत जल में चीनी मंसूबों पर रहे नजर

राजनीतिक अस्थिरता व आर्थिक दिवालिएपन के कगार पर खड़े श्रीलंका के बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाज का रुकना चीन के खतरनाक साम्राज्यवादी मंसूबों को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि, पहले ही संकट से गुजर रहे श्रीलंका की मुश्किलें ही इस चीनी कदम से बढ़ेंगी। कहने को तो चीनी दलील थी कि यह अनुसंधान के लिए तैनात जहाज है, लेकिन अत्याधुनिक सामरिक तकनीकों से लैस जहाज को भारतीय सीमा के निकट भेजना, चीन के खतरनाक मंसूबों पर सवाल उठाता है। चीन ने यह कोशिश ऐसे वक्त में की जब श्रीलंकाई सत्ताधीशों के कुशासन से तंग आ चुके लोगों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था व पूर्व राष्ट्रपति देश से भाग रहे थे। राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाल रहे रानिल विक्रमसिंघे जब देश को पटरी पर लाने के लिये प्रयासरत थे तब चीन ने खुफिया जहाज को हंबनटोटा बंदरगाह पर रुकने की अनुमति देने के लिए दबाव बनाया। इतना ही नहीं, भारत द्वारा इसका विरोध करने पर चीन ने भारत के खिलाफ जमकर दुष्प्रचार किया। यहां तक कि चीनी राजदूत ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला के जरिए आरोप लगाया कि, भारत हमेशा से श्रीलंका विरोधी रहा है और श्रीलंका के उत्तरी पड़ोसी ने उस पर 17 बार आक्रमण किए हैं। कुल मिलाकर श्रीलंका में भारत विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए इतिहास की घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। दरअसल, चीन ने पाक जलडमरू मध्य के दोनों ओर प्राचीन व मध्यकालीन राज्यों से संबंधित स्थानीय झड़पों को श्रीलंका के खिलाफ युद्ध दिखाकर भारत विरोधी भावनाएं पैदा करने की कुत्सित कोशिश ही की। बाकायदा तथ्यों से खिलवाड़ कर श्रीलंका की सुरक्षा चिंताओं के लिए भारत को दोषी ठहराने का प्रयास किया। लेकिन भारत ने भी चीनी मंसूबों पर पानी फेरने के लिये कूटनीतिक प्रयासों को लगातार जारी रखा, जिसका परिणाम देखने में भी आया।

यह भारत के कूटनीतिक प्रयासों का ही परिणाम था कि, श्रीलंका ने चीनी जहाज को कुछ शर्तों के साथ अपनी जल सीमा में रुकने की अनुमति दी। श्रीलंका ने चीन को तीन शर्तों के साथ यह अनुमति दी। पहला, जासूसी जहाज को अपनी स्वचालित पहचान प्रणाली को चालू रखना होगा। दूसरा, श्रीलंकाई जल सीमा में चीन को वैज्ञानिक अनुसंधान की अनुमति नहीं दी गई। तीसरे, किसी भी चीनी चालक दल को उतरने की अनुमति नहीं होगी। कह सकते हैं कि, विषम परिस्थितियों में फंसे होने के बावजूद श्रीलंका ने भारतीय चिंताओं का ध्यान रखा। बल्कि इस दौरान भारत ने चीन की दुखती रग पर हाथ रखा और ताइवान के निकट समुद्र में उत्पन्न अशांत स्थिति का भी जिक्र किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बाबत कहा भी है कि, श्रीलंका को किसी दूसरे देश के एजेंडे को पूरा करने के लिए अवांछित दबाव में नहीं आना चाहिए। बहरहाल, हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाज को लेकर यदि अमेरिका तक चिंता जता रहा है तो स्थिति की गंभीरता को भारत नजरअंदाज नहीं कर सकता। यह बात किसी के गले नहीं उतरती कि, चीन अपनी धरती से हजारों मील दूर हिंद महासागर में अनुसंधान को प्राथमिकता दे जबकि उसकी विस्तृत जल सीमा है और तमाम देशों से जल सीमा को लेकर विवाद जारी हैं। हकीकत यह है कि चीन जिसे हाई-टेक अनुसंधान पोत बता रहा है वास्तव में वह उसका जासूसी जहाज है, जिसकी कमान चीनी सेना के पास होती है। यह जहाज भारत की भीतरी सीमा तक जासूसी करने में सक्षम है। जाहिर बात है तमाम जासूसी उपकरणों से लैस जहाज में दो हजार से अधिक चीनी सवार हैं, जो कम से वैज्ञानिक तो नहीं हो सकते। ऐसे में युआन वांग-5 नामक जहाज को लेकर भारत की चिंताएं यू ही नहीं हैं। निश्चित तौर पर चीनी का यह मिशन भारत को हिंद महासागर में सामरिक रूप में नहीं, रणनीतिक रूप से भी चुनौती देने वाला है। भारतीय रणनीतिकारों को सोचना होगा कि पहले भारत से लगती थल सीमा में तनाव पैदा करने के बाद चीन भारत को दक्षिणी समुद्री सीमा पर भी चुनौती देने की कोशिश में है। समाधान यही है कि भारत खुद को सामरिक, कूटनीतिक व तकनीकी रूप से ताकतवर बनाए।

मजबूत विपक्ष की भूमिका भी समझे कांग्रेस

विश्वनाथ सचदेव

देश के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इस सवाल का जवाब अब एक महीने के लिए और टल गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि, कांग्रेस पार्टी के लिए यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। पिछले पूरे एक साल से, और सच तो यह है कि इससे बहुत पहले से, यह सवाल टलता चला आ रहा है। हर राजनीतिक दल अपना अध्यक्ष चुनता है, यह बात दूसरी है कि कुल मिलाकर यह चुनाव एक मनोनयन बनकर रह गया है। चुनाव का नाटक जरूर होता है, पर इससे यह प्रमाणित नहीं हो जाता कि दल-विशेष में अध्यक्षीय चुनाव के लिए जनतांत्रिक तरीका अपनाया ही जाता है। यह दुर्भाग्य की बात है, पर इस हकीकत को अस्वीकारा भी नहीं जा सकता। इस समस्या के संदर्भ में कांग्रेस पार्टी की दुविधा-या संकट-और भी है। दुविधा यह कि कांग्रेस को अक्सर यही लगता रहा है कि नेहरू-गांधी परिवार उसको जोड़े रखने वाली ताकत है और संकट यह है कि सीमेंट की भूमिका निभाने के बावजूद एक बहुत लंबे अरसे से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का चेहरा जनता में वह विश्वास नहीं जगा पा रहा जिसकी अपेक्षा राजनीतिक नेतृत्व से होती है।

अब स्थिति यह है कि, नेहरू-गांधी परिवार नेतृत्व संभालने के प्रति अपनी अनिच्छा जता रहा है और कांग्रेस वालों को यह समझ नहीं आ रहा कि राहुल गांधी नहीं तो फिर और कौन...? उम्मीद की जानी चाहिए कि अक्तूबर में सवाल का कोई जवाब मिल जाएगा। पर एक सवाल और भी है, जिसका जवाब देश को चाहिए क्या कमज़ोर विपक्ष जनतंत्र की सफलता की सबसे अहम शर्त निभाने में मददगार हो सकता है...? जनतंत्र में जितनी

आवश्यकता एक सशक्त सत्तारूढ़ दल की है उतनी ही महत्वपूर्ण यह बात भी है कि विपक्ष कितना ताकतवर है...? हमें एक मज़बूत सत्तारूढ़ दल भी चाहिए और उतना ही मज़बूत एक विपक्ष भी। शर्त यह है कि यह मज़बूती सिर्फ संख्या-बल की नहीं होनी चाहिए, नीतियों और मूल्यों की दृष्टि से भी एक ठोस विकल्प की ज़रूरत होती है जनतंत्र को सफल बनाने के लिए। आज केंद्र में एक मज़बूत सत्तारूढ़ दल तो है हमारे पास, और यह दल इस बात के प्रति सावधान भी है कि उसकी यह मज़बूती बनी रहे, भले ही इसके लिए कैसा भी समझौता क्यों न करना पड़े। लेकिन, दुर्भाग्य से, हमारा विपक्ष कमज़ोर है- संख्या की दृष्टि से भी और नीतियों-कार्यक्रमों की दृष्टि से भी।

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश है। पिछले पचहत्तर वर्षों में जनतंत्र के कई कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं हमने। लेकिन हकीकत यह भी है कि स्वतंत्रता के शुरुआती दस-बीस वर्षों के बाद मूल्यों और आदर्शों की दृष्टि से गिरावट का एक क्रम शुरू हो गया था, जो, दुर्भाग्य से, लगातार जारी है। इस गिरावट को रोकना ज़रूरी है। इसीलिए, यह भी ज़रूरी है कि राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर जनतंत्र के नागरिक लगातार नज़र बनाये रखें। यह नज़र बनाए रखने का एक तरीका वोट के माध्यम से राजनीतिक दलों पर अंकुश बनाये रखने का है, और दूसरा तरीका है राजनीतिक नेतृत्व की कथनी-करनी पर नज़र गड़ाए रखना। आज यदि कहीं पर लग रहा है कि सत्तारूढ़ दल अपनी ताकत पर इतराने लगा है, अथवा यह मानकर चल रहा है कि वह अपनी मनमानी करते रह सकता है तो उसे बताना ज़रूरी है कि जनतंत्र में शासक नेता नहीं, मतदाता होता है। और यदि यह दिखता है कि विपक्ष अपनी भूमिका ढंग से नहीं निभा रहा तो उसे भी चेतावनी देने का काम मतदाता को ही करना होता है। जनतंत्र का असली चौकीदार मतदाता ही होता है, न तो उसकी आंख लगनी चाहिए और न ही उसका ध्यान बंटना चाहिए।

बहरहाल, सत्तारूढ़ दल का किसी गलतफहमी में जीना और विपक्ष का कमज़ोर होते जाना जनतंत्र के औचित्य पर सवालिया निशान लगाता है। दुर्भाग्य से, आज यह दोनों बातें होती दिख रही हैं। सत्तारूढ़ दल को लग रहा है कि वह अपनी ताकत बढ़ाने के लिए कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र है और विपक्ष यह मानकर चलता दिख रहा है कि उसकी ताकत अपने आप बढ़ जायेगी। भाजपा और कांग्रेस दोनों ग़लतफहमी में जी रहे हैं। यह दोनों बातें जनतंत्र के लिए खतरे की घंटी हैं। देश में जिस तरह सरकारें गिरायी-बनायी जा रही हैं, उसके औचित्य पर सवाल अक्सर उठते रहते हैं। सवाल विपक्ष के कमजोरी से न उबरने पर भी उठना चाहिए। स्वयं विपक्ष को भी अपने आप से यह पूछना चाहिए कि वह उबर नहीं पा रहा अथवा उबरना चाहता नहीं?

न उबर पाने और उबरना न चाहने वाला यह सवाल आज कांग्रेस के सामने मुंह बाये खड़ा है। अध्यक्ष के मसले का समाधान तो कुछ न कुछ हो ही जायेगा, पर सवाल कांग्रेस के मज़बूत होने का ज़्यादा महत्वपूर्ण है। जल्दी ही कांग्रेस का देश जोड़ो अभियान शुरू होने वाला है। देश जोड़ने के लिए जनता से जुड़ने की इस कोशिश का स्वागत होना चाहिए। महत्वपूर्ण है यह बात। लेकिन इससे कहीं महत्वपूर्ण आज यह है कि कांग्रेस अपनी कमज़ोरियों को समझने की कोशिश करे, अपने आप से यह पूछे कि कांग्रेस के स्तंभ गिरते क्यों जा रहे हैं। इसका सबसे हालिया उदाहरण गुलाम नबी आज़ाद का कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देना है। लगभग आधी सदी से वे कांग्रेस के नेतृत्व से जुड़े रहे हैं, ऐसी स्थिति क्यों आयी कि वे अपनी अलग पार्टी बनाने के लिए निकल पड़े? इसके अलावा एक लंबी सूची है उन लोगों की जो कांग्रेस पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ दल में शामिल हुए हैं। इसका बड़ा कारण उनके राजनीतिक स्वार्थ हो सकते हैं, लेकिन कांग्रेस को कहीं न कहीं अपने घर की दीवारों की बुरी हालत भी देखनी होगी। क्यों हो रहा है ऐसा? क्यों कांग्रेस की स्थिति एक डूबते जहाज़ जैसी दिख रही है?

एक लंबे अरसे तक कांग्रेस सत्तारूढ़ दल बनी रही है। आज कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है। जैसे सत्तारूढ़ भाजपा को अपने वर्तमान पर इतराना नहीं चाहिए, वैसे ही कांग्रेस भी अपने अतीत के सहारे नहीं जी सकती। उसे बेहतर विपक्ष के लिए जीना है। संभावनाएं तलाशनी भी हैं और देश के लिए नये सपनों की संभावनाओं के लिए रास्ते भी बनाने हैं। मज़बूत विपक्ष जनतंत्र की सफलता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। आज कांग्रेस का दायित्व है कि वह इस शर्त को पूरा करने की महत्ता को समझे अपने आप को मज़बूत बनाये। क्या कांग्रेस का नेतृत्व इस महत्ता को समझ रहा है?

ट्विन टावर के मकड़जाल में निवेशक और बैंक ठगे गए

सिद्धार्थ शंकर

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा की 32 मंजिला ट्विन टावर को विस्फोटक लगाकर जमींदोज कर दिया गया।कई वर्षों में तैयार टावर मात्र 9 सेकंड में जमींदोज हो गए। देश का 500 करोड़ रुपया एक ही झटके में मलबे में तब्दील हो गया। मीडिया में ट्विन टावर को गिराने को लेकर संस्थाएं अपनी पीठ थपथपा रही हैं। कोई यह जवाब नहीं दे पा रहा है, कि 500 करोड़ रुपए की यह बहु मंजिला इमारत के लिए नियमों को बदलने वाले और बिल्डर को स्वीकृति देने वाले राजनेता और अधिकारी क्यों बचे रह गए।

समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर सुप्रीम कोर्ट का कहर बिल्डर्स के ऊपर गिरा। बिल्डर ने बैंकों से करोड़ों रुपए फाइनेंस करा रखे थे। सरकारी अनुमतियाँ दिखाकर बिल्डर ने फ्लैट बुक करने वालों से करोड़ों रुपए जमा कराए थे। देश के 500 करोड़ रुपए बिल्डिंग बनाने में खर्च हुए थे। उसे गिराकर हम खुश हो रहे हैं। इतने बड़े राष्ट्रीय नुकसान के लिए जिम्मेदार राजनेताओं और अधिकारियों की यदि संपत्ति भी जप्त हो जाती, तो भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी करने सेजिम्मेदा लोग डरते। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा ऐतिहासिक फैसला किया है।लेकिन अधिकारियों और राजनेताओं पर कार्यवाही ना करने से यह फैसला अधूरा लग रहा है।

सुपर टेक कंपनी के इस प्रोजेक्ट को पहले 10 मंजिला की अनुमति मिली थी। लिमिटेड कंपनी होने के कारण इसमें निवेशकों का पैसा जमा है। 2 बार नियमों में परिवर्तन कर राजनेताओं ने सीमा बढ़ाई। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों ने 32 और 40 मंजिला टावर बनाने की अनुमति दी। बैंकों ने फाइनेंस किया। निवेशकों ने अनुमतियां देखकर फ्लैट बुक किए।करोड़ों रुपए का निवेश प्रोजेक्ट में किया। रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। सुप्रीम कोर्ट में सारे तथ्य सामने आए। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की जड़ बने राजनेताओं और

अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई ना करके, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक तरह से बचने का मौका उपलब्ध करा दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में नियमों में परिवर्तन हुआ। राजनेता समय-समय पर बड़ी तेजी के साथ नियमों को बदल देते हैं। यह सभी नियम बड़े प्रोजेक्ट बड़ी रिश्वत के कारण ही बदले जाते हैं। नियम आम आदमी के लिए होते हैं। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नियमों में बदलाव होने के बाद परमिशन जारी की। प्रथम दृष्टया इसके लिए 26 अधिकारियों को दोषी मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए हैं। इन अधिकारियों पर कब मुकदमा दर्ज होगा, कब कार्यवाही होगी, कब गिरफ्तारी होगी। कितने साल मुकदमा चलेगा। जिन 26 अधिकारियों पर एफआइआर के आदेश हुए हैं। उन पर कितने वर्ष तक मुकदमा चलेगा। कितने वर्षों में अंतिम निर्णय आएगा, इसकी कोई समय सीमा नहीं है। 19 अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सात वर्तमानअधिकारी सेवा में हैं। जिम्मेदार राजनेता, जिन्होंने नियमों में परिवर्तन किए हैं।उसके बारे में कोई जिम्मेदारी निर्धारित नहीं की जा रही है।

जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक लिमिटेड के टावरों को ढहाने तथा निवेशकों को जमा राशि वापस करने के आदेश दिए हैं। जिन लोगों ने टावर में फ्लैट बुक कराए थे। जिन बैंकों ने कंपनी को फाइनेंस किया था।उनको एक लंबी कानूनी लड़ाई अपना जमा पैसा वापस लेने के लिए लड़नी पड़ेगी। दोनों टावर गिर गए हैं। केवल जमीन बची रह गई है। सुपरटेक लिमिटेड पर भारी कर्जा है। पैसा वापसी के लिए वर्षों मुकदमा लड़ना पड़ेगा, कब पैसा वापस मिलेगा। इसको लेकर अब एक नई लड़ाई शुरू होगी। सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर में राजनेताओं और अधिकारियों की गड़बड़ियों और अपराध के बारे में कोई स्पष्ट निर्णय नहीं है। जिसके कारण इनको बच निकलने का पूरा मौका मिल गया है।

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय की सराहना हो रही है। वहीं आम जनता के मन में 500 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय धन का इस तरह नुकसान होना, जिम्मेदार राजनेताओं और अधिकारियों पर त्वरित कठोर कार्यवाही ना होना, चिंता का विषय बना हुआ है।होना तो यह चाहिए था जिन राजनेताओं ने नियमों को बदलने का निर्णय लिया था। जो सारी गड़बड़ी की जड़ है। जिन अधिकारियों ने गलतअनुमति दी थी। उनकी संपत्तियां जप्त कर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संदेश सुप्रीम कोर्ट को देना था।

राष्ट्रीयता की भावना जगाता गणेशोत्सव

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत पर्व-उत्सवों का देश है और गणेश चतुर्थी उन्हीं उत्सव में से एक है। गणेशोत्सव को 10 दिनों तक बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस त्योहार को गणेशोत्सव या विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है। पूरे भारत में भगवान गणेश के जन्मदिन के इस उत्सव को उनके भक्त बहुत उत्साह के साथ मनाते हैं।

भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में किसी भी नए काम को प्रारंभ करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान गणेश की पूजा करने के बाद प्रारंभ होने वाला कार्य हर हाल में पूरा होगा। भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। मान्यता है कि मनुष्य जब भी किसी संकट में फंसता है और सच्चे मन से भगवान गणेश को याद करता है तो उसका संकट टल जाता है। गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव जाति के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्त्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं।

गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सहित पूरे भारत में काफी जोश के साथ मनाया जाता है। किन्तु महाराष्ट्र में विशेष रूप से मनाया जाता है। पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमायें स्थापित की जाती है। इन प्रतिमाओं का नो दिन तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने पहुंचते है। नो दिन बाद गणेश प्रतिमाओं को समुद्र, नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है।

गणेश चतुर्थी का त्योहार आने से दो-तीन महीने पहले ही कारीगर भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं। गणेशोत्सव के दौरान बाजारों में भगवान गणेश की अलग-अलग मुद्रा में बेहद ही सुंदर मूर्तियां मिल जाती है। गणेश चतुर्थी वाले दिन लोग इन मूर्तियों को अपने घर लाते हैं। कई जगहों पर 10 दिनों तक पंडाल सजे हुए दिखाई देते हैं जहां गणेश जी की मूर्ति स्थापित होती हैं। प्रत्येक पंडाल में एक पुजारी होता है जो इस दौरान चार विधियों के साथ पूजा करते हैं। सबसे पहले मूर्ति स्थापना करने से पहले प्राणप्रतिष्ठा की जाती है। उन्हें कई तरह की मिठाईयां प्रसाद में चढ़ाई जाती हैं। गणेश जी को मोदक काफी पंसद थे। जिन्हें चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बनाया जाता है। इस पूजा में गणपति को लड्डुओं का भोग लगाया जाता है।

इस त्योहार के साथ कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं जिनमें से उनके माता-पिता माता पार्वती और भगवान शिव के साथ जुड़ी कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है। शिवपुराण में रुद्रसंहिता के चतुर्थ खण्ड में वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपने मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वारपाल बना दिया था। भगवान शिव ने जब भवन में प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे पार्वती

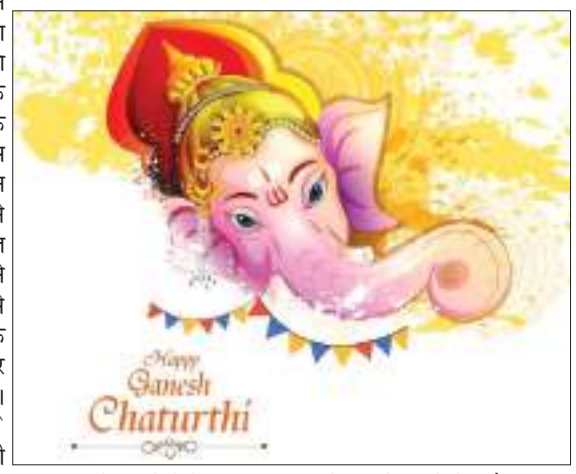

नाराज हो उठीं। भयभीत देवताओं ने देवर्षि नारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। भगवान शिवजी के निर्देश पर विष्णुजी उत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गजमुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्र पूज्य होने का वरदान दिया।

देश की आजादी के आन्दोलन में गणेश उत्सव ने बहुत महत्वपूण भूमिका निभाई थी। 1894 मे अंग्रेजो ने भारत मे एक कानून बना दिया था जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के इतने वर्षो बाद आज भी लागू है। इस कानून मे किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकते थे। और ना ही समूह बनाकर कहीं प्रदर्शन कर सकते थे।

महान क्रांतिकारी बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 मे वन्देमातरम नामक एक गीत लिखा था। जिस पर भी अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा कर गीत गाने वालों को जेल मे डालने का फरमान जारी कर दिया था। इन दोनों बातों से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति बहुत नाराजगी व्याप्त हो गयी थी। लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय को खत्म करने और इस कानून का विरोध करने के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव की स्थापना की और सबसे पहले पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव का आयोजन किया गया।

1894 से पहले लोग अपने अपने घरो मे गणपति उत्सव मनाते थे। लेकिन 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाने लगे। पुणे के शनिवारवडा के गणपति उत्सव मे हजारो लोगो की भीड़ उमड़ी। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजो को चेतावनी दी कि हम गणपति उत्सव मनाएगे अंग्रेज पुलिस उन्हे गिरफ्तार करके दिखाये। कानून के मुताबिक अंग्रेज पुलिस किसी राजनीतिक कार्यक्रम मे एकत्रित भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी। लेकिन किसी धार्मिक समारोह मे उमड़ी भीड़ को नहीं।

20 अक्तूबर 1894 से 30 अक्तूबर 1894 तक पहली बार 10 दिनो तक पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव मनाया गया। लोक मान्य तिलक वहां भाषण के लिए हर दिन किसी बड़े नेता को आमंत्रित करते। 1895 मे पुणे के शनिवारवाड़ा मे 11 गणपति स्थापित किए गए। उसके अगले साल 31 और अगले साल ये संख्या 100 को पार कर गई। फिर धीरे-धीरे महाराष्ट्र के अन्य बड़े शहरो अहमदनगर, मुंबई, नागपुर, थाणे तक गणपति उत्सव फैलता गया। गणपति उत्सव में हर वर्ष हजारो लोग एकत्रित होते और बड़े नेता उसको राष्ट्रीयता का रंग देने का कार्य करते थे। इस तरह लोगो का गणपति उत्सव के प्रति उत्साह बढ़ता गया और राष्ट्र के प्रति चेतना बढ़ती गई।

1904 में लोकमान्य तिलक ने लोगो से कहा कि गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वराज्य हासिल करना है। आजादी हासिल करना है और अंग्रेजो को भारत से भगाना है। आजादी के बिना गणेश उत्सव का कोई महत्व नहीं रहेगा। तब पहली बार लोगो ने लोकमान्य तिलक के इस उद्देश्य को बहुत गंभीरता से समझा। आजादी के आन्दोलन में लोकमान्य तिलक द्धारा गणेश उत्सव को लोकोत्सव बनाने के पीछे सामाजिक क्रान्ति का उद्देश्य था। लोकमान्य तिलक ने ब्राह्मणों और गैर ब्राह्मणों की दूरी समाप्त करने के लिए यह पर्व प्रारम्भ किया था जो आगे चलकर एकता की मिसाल बना।

जिस उद्देश्य को लेकर लोकमान्य तिलक ने गणेश उत्सव को प्रारम्भ करवाया था वो उद्देश्य आज कितने सार्थक हो रहें हैं। आज के समय में पूरे देश में पहले से कहीं अधिक धूमधाम के साथ गणेशोत्सव मनाये जाते हैं। मगर आज गणेशोत्सव में दिखावा अधिक नजर आता है। आपसी सदभाव व भाईचारे का अभाव दिखता है। आज गणेश उत्सव के पण्डाल एक दूसरे के प्रतिस्पर्धात्मक हो चले हैं। गणेशोत्सव में प्रेरणाएं कोसों दूर होती जा रही हैं और इनको मनाने वालों में एकता नाम मात्र की रह गयी है। इस बार हमें एक बार फिर से संगठित होकर गणेशोत्सव को इतनी खुशी व धूमधाम से मनाना चाहिए जिससे समाज मे एकता व भाईचारा बढ़ सकें। सही मायने में तभी हमारी पूजा सार्थक हो सकेगी।

रतलाम कलेक्टर की बड़ी करवाई, 25 लोगों को किया जिलाबदर

माही की गूंज, रतलाम।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा जिले में अपराध के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साथ 25 आरोपियों को जिला बदर किया गया है। सभी जिला बदर आरोपी 6 माह की अवधि तक रतलाम तथा समीपवर्ती उज्जैन, आगर, धार, झाबुआ, मंदसौर जिलों की राजस्व सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी के प्रतिवेदन पर जिला दंडाधिकारी नरेंद्र सूर्यवंशी द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत लोक शांति तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत जिन आरोपियों को जिला बदर किया गया है उनमें पुलिस थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा के रमेश कंजर, अमरू, मोहनलाल, ओमप्रकाश, पुलिस थाना जावरा के रेहान लाल, पुलिस थाना दीनदयाल नगर रतलाम के राहुल उर्फ बम, पुलिस थाना आलोट क्षेत्र के मुबारिक, रफीक, वाहिद उर्फ तोतला, सुरेश राठोर, राकेश, शुभम उर्फ कांटा, टीनू उर्फ़ टीनिया, श्यामसिंह कालूराम उर्फ कारूलाल, मुकेश, हर्ष उर्फ हरीश, सलीम, सुरेश सिंह, सोनू उर्फ सोनटिया, पुलिस थाना माणकचौक रतलाम का भोला उर्फ मोनू तथा नवनीत, पुलिस थाना कालूखेड़ा का कान्हा एवं पुलिस थाना रिंगनोद का लक्ष्मण उर्फ लच्छू सम्मिलित है।

वर्ष 2017 के बाद फिर स्क्रब टाइफस ने जिले में दी दस्तक

माही की गूंज, मंदसौर।

जानलेवा स्क्रब टाइफस की जिले में दस्तक हो चुकी है। 15 दिन में 13 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। इसमें 10 मरीज मंदसौर के, 2 मरीज अन्य जिले व 1 मरीज राजस्थान का है। हालांकि हकीकत में आंकड़े इससे ज्यादा हैं। शहर के 10 बड़े निजी अस्पतालों में 150 से अधिक मरीजों का इलाज हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग को भी इसकी जानकारी है। वहीं एक मरीज की फेफड़े व किडनी फेल होने से मौत भी हो चुकी है। अधिकारियों का दावा है कि, मरीजों की पुष्टि होने के बाद टीम सर्वे कर आसपास के घरों में सैंपल ले रही है। अभी डरने वाली स्थिति नहीं है।

जिले में 2017 में पहली बार यह बीमारी सामने आई थी। इसके बाद साल दर साल मरीजों की संख्या बढ़ती रही। 2019 में 28 गांवों में 53 मरीज सामने आए थे। इसके बाद भोपाल से स्वास्थ्य विभाग का अमला पहुंचा था। टीम ने डॉक्टरों से मुलाकात कर बीमारी से जुड़े फैक्ट और बचाव के तरीके बताए थे। कोरोना काल में बीमारी का असर कम था। वर्ष एक में एक ही मरीज मिला था। अब फिर मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। लोग भी इस बीमारी पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सभी मरीज बाहर से लौटे

एपीडियमोलॉजिस्ट डॉ. शुभम सिलावट ने बताया कि, पॉजिटिव मरीज की ट्रैवल हिस्ट्री में सामने आया कि मरीज बाहर से लौटे हैं। इनके आसपास के घरों में सर्वे कराया है। हालांकि कोई भी पॉजिटिव सामने नहीं आया। जिले में किसानों को इस बीमारी से अधिक खतरा है, क्योंकि खेतों व अंचल क्षेत्रों के घरों में चूहों की अधिकता रहती है। संभव है कि निजी अस्पतालों में भी मरीज हों। प्रयास है कि आगामी समय में जिला पूरी तरह से स्क्रब टाइफस मुक्त हो।

पिस्सुओं के काटने से होती है यह बीमारी

डॉ. सिलावट ने बताया, पिस्सू चूहे पर चिपक कर इंसानों के घरों में पहुंचते हैं। पिस्सुओं के इंसानों को काटते ही उसके लार में मौजूद जीवाणु (रिक्टिशिया सुसुगामुशी) रक्त में फैल जाता है। इसकी वजह से लिवर, दिमाग व फेफड़ों में कई तरह के संक्रमण होने लगते हैं। इसकी पहचान काटने का निशान देखकर की जाती है।

मजदूरों को लेकर जा रहा ट्रैक्टर-ट्राली असंतुलित होकर पलटे, देर तक मार्ग रहा बाधित

माही की गूंज, रतलाम।

शहर के सबसे व्यस्तम मार्ग मित्र निवास रोड पर मंगलवार सुबह 25 मजदूरो को लेकर जा रहा टैक्टर असंतुलित होकर पलट गया, गनीमत रही कि हादसे में कोई जन हानि नहीं हुई। दुर्घटना के चलते क्षेत्र का यातायात बांधित हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहा सभी का उपचार जारी है, रतलाम शहर के दो बत्ती थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉन्वेंट स्कूल के सामने मगलवार सुबह करीब 9 बजे मजदूरो से भरा टैक्टर पलट गया। दुर्घटना में 25 से अधिक मजदूर घायल हो गये। घायलों में महिलाएं शामिल है। वही दो मजदूरों को हाथ-पैर फ्रेक्चर होना बताया जा रहा है। दुर्घटना में कोई मजदूर गम्भीर रूप से घायल नही हुआ। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार घायल सभी मजदुर रावटी ,पेटलवाद के समीप स्थित अलग अलग गांव के निवासी है। ये सभी मजदूरी के रतलाम आये हुए थे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से टैक्टर और ट्रॉली को मार्ग के बीच से हटाया, कभी देर तक यातायात बाधित रहा और मौके पर भीड़ जमा हो गई जिसे पुलिस ने मौके से हटाया जिसके बाद यातायात पुनः सामान्य हो गया।

डोडाचूरा ठेकेदार भाइयों की हत्या के 8 आरोपियों को न्यायालय ने भेजा कारावास

माही की गूंज, मंदसौर।

डोडाचूरा ठेकेदार दो भाइयों की हत्या के मामले में बाबू बिल्लौद सहित 7 आरोपियों को सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश ने दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई, साथ ही जुर्माने से दंडित भी किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा ने बताया, 13 मार्च 2014 को आदर्श कॉलोनी शनि मंदिर के पास निंबाहेड़ा राज. निवासी इमरान खां पिता छोटे खां उर्फ सरदार खां मेवाती (26) ने जिला अस्पताल मंदसौर स्थित पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी कि गाडी से बिल्लौद में डोडाचूरा का गोडाउन देखने के बाद नापाखेड़ा होकर मंदसौर आ रहे थे।

बिल्लौद से नापाखेड़ा के बीच सफेद रंग की बिना नंबर की स्कॉर्पियो आगे चल रही थी। इसे देखकर भाई मुजीब ने बताया गाडी बाबू बिल्लौद की है। ड्राइवर रमेश ने गाडी आगे निकालनी चाही लेकिन स्कॉर्पियो के ड्राइवर ने गाडी को टक्कर मारने की कोशिश की इस पर ड्रायवर ने गाडी को नीचे उतार कर स्कॉर्पियो से आगे निकाल ली। स्कॉर्पियो को नीमच निवासी कमल राणा चला रहा था। इसके बाद आरोपियों ने गोलीकांड को अंजाम दिया।

डोडाचूरा के व्यापार में फी पार्टनरशिप नहीं रखने पर वारदात को अंजाम

फरियादी के अनुसार गाडी आगे निकलने पर कमल राणा ने हम सभी को जान से मारने की नियत से गाडी को तीन-चार बार टक्कर मारी। स्कॉर्पियो में बैठे लोग गोली चलाने लगे। एक गोली पीछे की ओर सीट पर बैठे भाई मुजीब को सिर में लगी फिर कमल राणा ने पीछे से टक्कर मार दी। गाडी रोड से नीचे उतरकर पलट गई। स्कॉर्पियो में बैठे बाबू बिल्लौद, उसके लड़के शाहिद व अब्दुल तथा कमल राणा अपने अन्य साथियों के साथ नीचे उतरे।

गाडी से भाई हाजी मोहम्मद नीचे उतरे तो उनको अब्दुल ने गोली मार दी, उनकी मौके पर मौत हो गई। भाई मुजीब के सिर में गोली लगने से स्थिति गंभीर थी। कमल राणा ने ड्रायवर रमेश के उपर फायर किया तो गोली रमेश की बाईं जांघ को छूते हुए निकल गई। गाडी में बैठे बिल्लौद वाले सक्कामल के सिर व चेहरे पर भी चोट आई थी। मौके से डर के कारण हम सभी ड्रायवर रमेश व सक्कामल भाग गए थे एवं अपने मोबाईल से परिवार वालों को सूचना देना बताया था।

फरियादी ने आरोपी बाबू बिल्लौद, शाहीद, अब्दुल, कमलराणा के द्वारा उक्त घटना घटित करने में उनके अन्य साथी इत्तफाक आलम उर्फ मौलाना, फिरोजलाला, वसीमलाला, मोहसिन लाला व हबीब लाला सभी निवासी अखेपुर प्रतापगढ़ राजस्थान द्वारा डोडाचूरा के व्यापार में फ्री में पार्टनरशिप नहीं रखने पर सभी ने योजना बनाकर षड्यंत्र के अनुसार हाजी मो. व मुजीब भाई की हत्या घटित करना बताया।

इन 8 आरोपियों को सुनाई सजा

मामले में कोर्ट ने प्रस्तुत साक्ष्यों पर सहमत होते हुए आरोपी मेघदूत नगर निवासी हबीब लाला पिता अकरम पठान (33) साल, बिल्लौद निवासी रईस पिता बाबू खां पठान (20), पावटी थाना गरोठ निवासी जाकिर पिता खाजू मोहम्मद (48), राजू पिता बाबू खां आडवाणी (38), फिरोज लाला, वसीम लाला, मोहसिनलाला, बाबू खां सभी निवासी बिल्लौद को हत्या करने का दोषी मानते हुए दोहरा आजीवन कारावास एवं जुर्माना से दंडित किया।

पुलिया निर्माण में हो रही देरी पर कलेक्टर ने व्यक्त की नाराजगी

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर श्री जैन ने निपानिया डेम एवं मांगलिया में बन रही पुलिया का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत मोहन बड़ोदिया से नलखेड़ा सड़क के बीच में निपानिया डेम एवं मांगलिया में बन रही पुलियाओं के निर्माण में अत्यधिक विलंब होने पर कलेक्टर दिनेश जैन ने नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी नरेन्द्र पाण्डेय, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के महाप्रबंधक हेमंत शिवहरे, कार्यपालन यंत्री आरईएस केपी बाथम, तहसीलदार राजाराम करजरे, नायब तहसीलदार अजय अहिरवार सहित क्षेत्रीय सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

निपानिया डेम पर बन रही पुलिया में अत्यधिक विलंब होने पर ग्रामीणों की शिकायत पर कलेक्टर श्री जैन निरीक्षण करने पहुंचे थे। ग्रामीणों ने बताया कि, पुलिया निर्माण के अभाव में उन्हें सिमरोल शा. के कच्चे रास्ते से जाना पड़ रहा है। कच्चा रास्ता भी अत्यधिक खराब एवं घुमावदार है। आसपास के ग्रामों के बच्चें मोहन बड़ोदिया में अध्ययन करने आते हैं, उन्हें बड़ी दिक्कत हो रही है। कलेक्टर ने ग्रामीणों की शिकायत पर महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना श्री शिवहरे से कार्य पूर्ण करने में हो रहे विलंब के बारे में पूछा तथा कलेक्टर ने कहा कि कार्य समयावधि में पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदार के विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है, बताएं। उन्होंने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि काम पूरा नहीं करा पाने के लिए विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदार मानते हुए शासन को लिखा जायेगा। कलेक्टर ने कार्य पूर्ण होने तक सिमरोल शा. मार्ग को यातायात लायक दुरूस्त करने के निर्देश भी दिये। सिमरोल शा. मार्ग के संबंध में कलेक्टर ने बताया कि मोहन बड़ोदिया से एक किलोमीटर मार्ग लोक निर्माण विभाग के अधीन है, शेष मार्ग आरईएस द्वारा ठीक कराया जायेगा। सिमरोल शा. मार्ग पर पुलिया को भी ठीक करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। इसी तरह मांगलिया की पुलिया का निर्माण भी अधूरा रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। ग्रामीणों ने बताया कि विगत 4 वर्षों से कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। साथ ही विभाग द्वारा बनाया गया डायवर्शन रोड भी अत्यधिक खराब है। विगत दिनों वर्षा के दौरान बीमार एवं प्रसुति वाली महिलाओं को निकालने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। कलेक्टर ने पुलिया निर्माण पूर्ण होने तक डायवर्शन को पक्का करने के निर्देश दिये।

बेटा नही जन पाई बहु की हत्या की, पति व सास को मिली आजीवन कारावास की सजा

माही की गूंज, मंदसौर।

बेटा नहीं होने पर की गई पत्नी की हत्या के मामले में कोर्ट ने आरोपी पति व सास को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 5-5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। अपर लोक अभियोजक आरएस चंद्रावत के अनुसार गरोठ थाना क्षेत्र के चचावदा पठारी निवासी मायाबाई को 1 अक्टूबर 2015 को जली अवस्था में पति व सास गरोठ अस्पताल में लाए।

स्थिति गंभीर होने से झालावाड़ सिविल अस्पताल रेफर किया। स्थिति में सुधार नहीं होने पर अन्य परिजन चौइथराम अस्पताल इंदौर ले गए। जहां आहत मायाबाई ने स्वयं कथन देने की इच्छा जताई। तहसीलदार इंदौर द्वारा मायाबाई के कथन रिकॉर्ड किए गए।

दोनों बेटियों को रामलीला देखने गांव में भेज दिया था

कथन में महिला ने बताया 1 अक्टूबर 2015 को वह घर पर थी। जहां उसकी दोनों लड़कियों वंशिका व दीक्षिका को पति व सास ने रामलीला देखने गांव में भेज दिया। पुत्र नहीं होने के कारण पूर्व में भी मायाबाई को लड़ाई-झगड़ा कर परेशान किया जाता था। इसी को लेकर घटना के दिन सास ने हाथ पकड़कर उसके पति ने घासलेट डालकर उसे जला दिया।

मृतका की पुत्री सहित कुल 13 साक्षियों के कराए कथन द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश गरोठ आशीष टांकले ने प्रकरण में अभियोजन द्वारा मृतका की पुत्री दीक्षिका सहित कुल 13 साक्षियों के कथन करवाए।

अभियोजन द्वारा प्रकरण में मृतक द्वारा दिए डीडी कथन को महत्वपूर्ण साक्ष्य मानते हुए अभियोजन द्वारा पेश की गई अन्य साक्ष्य एवं दलीलों से सहमत होते हुए न्यायालय आशीष टांकलेद्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश गरोठ ने आरोपी हरीश उर्फ हरिशंकर पिता रामगोपाल पुरोहित (30) व आरोपी सुमित्राबाई पति रामगोपाल पुरोहित (60) दोनों निवासी ग्राम चचावदा पठारी थाना गरोठ को अपराध में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास व 5- 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक गरोठ आरएस चंद्रावत ने किया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन

माही की गूंज, शाजापुर। प्रदेश में बढती सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रदेश के समस्त जिलो में 22 से 28 अगस्त 2022 तक ÷सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह÷ का समापन कार्यक्रम हुआ। पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर के मार्गदर्शन में जिले के मक्सी, सलसलाई, शुजालपुर मंडी, शुजालपुर सिटी आदि थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में बाइक हेलमेट रैली के माध्यम से आमजनों को यातायात नियमो के पालन करने के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। थाना सुन्दरसी, सलसलाई, बेरछा, मोहन बडोदिया द्वारा बस स्टैंड एवं ऑटो स्टैंड पर वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा यातायात नियम सम्बन्धी पम्पलेट भी वितरित किये।

जनमानस को यातायात के नियमों की जानकारी देने एवं रोड सेफ्टी के सभी पहलुओं पर प्रचार प्रसार के लिए यातायात थाना प्रभारी सूबेदार सतेन्द्र सिंह राजपूत एवं स्टाफ द्वारा शहर के मुख्य चौराहे, ट्रैफिक पॉइंट चौराहा, टंकी चौराहा से गुजरने वाले वाहन चालको को, हाट बाज़ार एवं बायपास ढाबो पर जाकर पंपलेट वितरण कर यातायात नियमो के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही आम जनता से यातायात नियमो का पालन करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, सड़क दुर्घटनाओ में घायलों की त्वरित मदद कर नेक व्यक्ति होने का परिचय देने की अपील की।

न्यायालय ले अफीम तस्कर को 5 वर्ष जैल के साथ 50 हजार जुर्माने की सुनाई सजा

माही की गूंज, मंदसौर। कोर्ट ने मंगलवार को अफीम तस्करी के मामले में एक आरोपी को 5 वर्सज की सजा सुनाते हुए 50 हजार रुपए का जुर्माना किया। अभियोजन शोएब खान ने बताया विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट जितेंद्र कुमार बाजोलिया ने आरोपी ललौदा जिला फतेहाबाद हरियाणा निवासी विक्रम सिंह पिता रामकुमार सिंह जाट(30) को अफीम तस्करी करने का दोषी मानते हुए 5 वर्ष की सजा व 50 हजार रुपए का अर्थदंड से दंडित किया। मामला 13 जून 2014 को थाना पिपलियामंडी का हैं।

पुलिस की पिटाई से हुई मौत में दो पुलिसकर्मी निलंबित

माही की गूंज, मंदसौर।

देवास में फेरी लगाकर मसाले बेचने वाले मेलखेड़ा के मुकेश को कुछ दिन पहले पुलिस ने पकड़ लिया था। देवास पुलिस की पिटाई के बाद हालत खराब होने पर इंदोर रेफर किया, जहां उपचार के दौरान मुकेश की मौत हो गई। परिजन ने मंगलवार सुबह 8 बजे मेलखेड़ा चौपाटी पर शव रख इंसाफ मांगा। विरोध पर एसडीएम, एएसपी, पूर्व विधायक सहित कई जनप्रतिनिधि पहुंचे। गरोठ विधायक देवीलाल धाकड़ ने फोन पर चर्चा कर इंसाफ दिलाने व 2 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत कराने की बात कही। तब कहीं 2 घंटे 40 मिनट बाद विरोध खत्म हुआ। जानकारी के अनुसार मेलखेड़ा निवासी मुकेश भाट इंदौर के हीरानगर इलाके में किराए के कमरे में रहता था। फेरी लगाकर मसाले बेचता था। इससे मेलखेड़ा में उसका परिवार चलता है।

वह अपने साढू भाई ईश्वर भट्ट के साथ यह काम करता था। शनिवार को देवास पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। रविवार सुबह पुलिस ने मुकेश भाट के परिजन को सूचना दी कि उसकी हालत खराब है उसे अस्पताल ले जाओ। परिजन मुकेश को लेकर देवास जिला अस्पताल पहुंचे, वहां से मुकेश को इंदौर रेफर किया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

गुस्साए परिजन ने देवास एएसपी ऑफिस में जमकर हंगामा किया और शिकायत की। घायल युवक ईश्वर ने औद्योगिक थाना क्षेत्र के पुलिसकर्मियों पर मारपीट के आरोप लगाए। दोनों के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। घायल ईश्वर ने बताया हम दोनों मसाले बेचने आए थे। पुलिस ने शनिवार को उन्हें गिरफ्तार किया था। पुलिस कर्मियों ने मिलावटी मसाले बेचने का आरोप लगाते हुए मुकेश व ईश्वर को जमकर पीटा।

परिजन मुकेश का शव लेकर मंगलवार सुबह मेलखेड़ा पहुंचे। परिजन ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए मेलखेड़ा चौराहा पर शव रख कर विरोध किया। मामले को बढ़ता देख शामगढ़ तहसीलदार व थाना प्रभारी पहुचे। समझाने का प्रयास किया लेकिन परिजन नहीं माने। एसडीएम रवींद्र परमार, एएसपी महेंद्र सिंह तारणेकर ने समझाने का प्रयास किया लेकिन परिजन नहीं माने।

सुबह 9 बजे पूर्व विधायक चंदरसिंह सिसौदिया मौके पर पहुंचे व परिजन से चर्चा की। सिसौदिया ने बताया सरपंच राजेंद्रसिंह द्वारा मदद राशि दी जाएगी, आंगनवाड़ी में नौकरी के प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री आवास में मकान बनवाएंगे। बच्चो की शिक्षा का जिम्मा सीएम के मार्गदर्शन में हम सब लेंगे।

अधिकारियों से की चर्चा

कांग्रेसजन ने बताया, औघोगिक थाना देवास पुलिस ने मुकेश से रुपयों की मांग की। पैसे नहीं देने पर नकली मसाले बेचने के आरोप में पूछताछ के बहाने थाने में बिठाकर मारपीट की। इस कारण मुकेश की मौत हो गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवकृष्ण पाटिल ने पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा से चर्चा कर देवास पुलिस के खिलाफ धारा 302 का मुकदमा दर्ज करवाने कि मांग की। इसके बाद मंदसौर एसपी से मुलाकात कर प्रभावी कार्यवाही में सहयोग देने का आग्रह किया। कलेक्टर से संबंधित परिवार की आर्थिक मदद देने की बात कही।

पुलिसकर्मी निलंबित किए

घटना के मामले में देवास एडिशनल एसपी मनजीत सिंह चावला ने थाने में लगे सीसीटीवी के डीवीआर को जब्त किया, साथ ही इंदौर से मृतक मुकेश भाट की शॉर्ट पीएम रिपोर्ट बुलवाई हैं। सोनकच्छ के एसडीओपी पूरे मामले की जांच करेंगे। विरोध प्रदर्शन के कुछ समय बाद ही देवास एएसपी ने अपने स्टेटमेंट में संबंधित पुलिस अधिकारी एवं जवान को निलंबित करने का वीडियो जारी किया।

युवक के हाथ से बेग छीनकर फरार हुए बाइक सवार

माही की गूंज, रतलाम/ताल।

एक किसान जेसीबी के सौदे की राशि बैंक से निकालकर देने जा रहा था कि यह वारदात हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। शाम तक किसी आरोपी का पता नहीं चल पाया था। आलोट क्षेत्र में लगातार इस तरह बैग लूटने की वारदातें हो रही है। अब ताल क्षेत्र में भी इस तरह की वारदात ने पुलिस की प्रणाली पर प्रश्न खड़ा कर दिया है।

ताल थाना प्रभारी नागेश यादव ने बताया कि, मंगलवार को दोपहर में गोपाल सिंह पिता भेरू सिंह निवासी खेजडिया सोंधियान जेसीबी खरीदने जा रहा था। उसने जेसीबी का सौदा करते हुए राशि नागदा जक्शन पहुंचाना थी। राशि लेकर गोपाल सिंह ने अपने जीजा शैतान सिंह पिता शंकर सिंह निवासी रछलिया को उक्त जेसीबी के लिए रुपए लेकर नागदा आने को कहा था। वह दो लाख बीस हजार रुपए गोपाल सिंह घर से लाया था। इस राशि में से गोपालसिंह ने पचास हजार रुपए अपने पास रख लिए व शेष राशि एक लाख सत्तर हजार रुपए अपने जीजा को दे दिए। फिर जीजा शैतानसिंह ने एसबीआई बैंक ताल से चार लाख रूपये निकाले। इस तरह जीजा शैतान सिंह पांच लाख सत्तर हजार रुपए लेकर बाइक से निकला। बैग बाइक के आगे रखा था। ताल आलोट रोड पर अज्ञात बदमाशों ने फरीदयादी शैतान सिंह को बाइक सहित पीछे से धक्का (टक्कर) देकर नोटो से भरा बैग लूटा और भाग गए। ताल पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है। सीसीटीवी फुटेज से भी तलाशी की जा रही है।

नगर की जबरन कॉलोनी के रहवासी बिजली की समस्याओ परेशान होकर पहुंचे एमपीईबी कार्यालय

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर की जबरन कॉलोनी रहवासियों बिजली की समस्याओं से परेशान होकर बुधवार को एमपीईबी कार्यालय पहुंचे एवं आक्रोशित होकर समस्या को जल्द समाधान करने की गुहार लगाई। रहवासियों का कहना है कि, वोल्टेज की कमी के कारण हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वोल्टेज की कमी के कारण टीवी, फ्रिज में शार्ट सर्किट हो रहे है। रहवासियों ने वोल्टेज की समास्या के निराकरण के लिए डीपी लगाने की मांग की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी दी।

न खिड़की न दरवाजे, स्कूल का काम पड़ा अधूरा, क्या ठेकेदार से सांठ-गांठ कर विभाग स्कूल शिफ्ट करने की तैयारी में है...?

एक करोड़ 87 लाख का हाई सेकेंड्री भवन अव्यवस्था का शिकार

ग्यारह सौ विद्यार्थी स्कूल में एक ही शिफ्ट में बमुश्किल बैठ कर पड़ने पर मजबूर

माही की गूंज, पेटलावद।

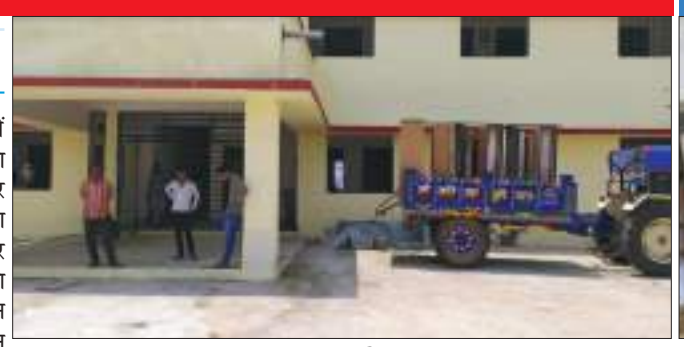

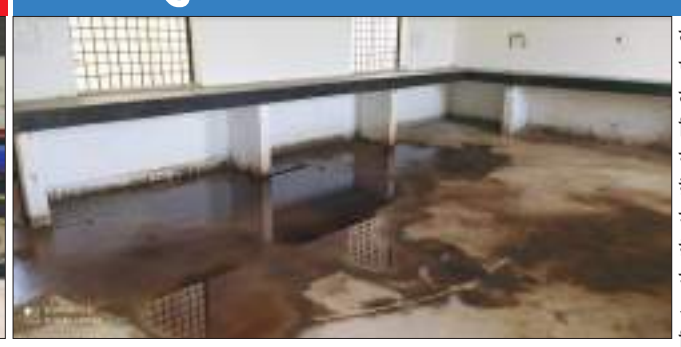

विकास खण्ड में ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने और अछी व्यवस्था, सुविधा के नाम पर सरकार करोड़ो रूपये के निर्माण कार्य कर बड़े-बड़े भवन बना रही है। लेकिन निर्माण का ठेका लेने वाले ठेकेदार ओर फर्म निर्माण कार्य न तो समय पर पूर्ण करते है और न ही सही निर्माण करते है। कॉम्पिटिशन के दौर में ठेकेदार नीची दर टेंडर में भर कर जैसे-तैसे ठेका ले लेते है। लेकिन निर्माण के समय घटिया निर्माण कर नुकसान की पूरी भरपाई जिम्मेदार अधिकारीयो से मिल कर कर लेते है।

मामला विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बरवेट का है जहॉ वर्ष 2011 में प्रस्तावित हाई सेकेंडरी स्कूल की सुविधा के लिए शासन ने एक करोड़ 87 लाख की लागत का भवन बनाने टेंडर जारी किए थे। लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से उक्त भवन का कार्य प्रगति पर है। लेकिन आज तक संबधित ठेकेदार कार्य पूर्ण नही कर सका न ही विभाग में शयाद इस कार्य मे रुचि दिखाई। कार्य आज भी अधूरा पड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार विभाग के अधिकारी और स्कूल प्रशासन उक्त भवन में शिफ्ट होने की तैयारी में है। पहले तय किया गया कि, अगस्त के अंतिम सप्ताह में भवन में शिफ्ट होना है फिर बताया जा रहा है कि सितंबर के पहले सप्ताह में स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो जाएगी।

ग्यारह सौ बच्चे एक शिफ्ट में स्कूल में बैठना हुआ मुश्किल

बरवेट की संस्था में कक्षा एक से लेकर 12 तक कुल एक हजार 100 छात्र-छात्राएं है जिनके बैठने की व्यवस्था स्कूल में नही। कई वर्षों से यहां स्कूल भवन की मांग थी जो पूर्ण भी हुई, लेकिन कार्य समय पर पूरा नही होने के कारण बच्चों और स्कूल स्टाफ को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में कक्षा 01 से 8 और 9 से 12 तक कि स्कूल एक ही समय पर संचालित हो रही जिससे परेशानी और बढ़ गई।

प्रभारी प्राचार्य वालसिंह खड़िया ने बताया कि, स्कूल में बच्चों को बैठने में परेशानी आ रही है और हमारे पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नही है। मामला जिले के अधिकारियों के जानकारी में है। हम त्रैमासिक परीक्षा के चलते स्कूल के नए भवन में बच्चों को शिफ्ट किये जा रहे है। प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि, हम ठेकेदार को कुछ भी लिख कर नही दे रहे है और कार्य पूर्ण करने का कह रहे है। लेकिन ठेकेदार का कहना है कि, भुगतान नही ही रहा जिसके चलते बाकी का काम नही कर रहे है भुगतान होते ही काम कर दिया जाएगा।

कार्य पड़ा, खिडकी दरवाजे गायब, फर्श घिसाई का काम भी बाकी

कार्य के दो वर्ष से अधिक बीत जाने के बाद भी कार्य पूर्ण नही हुआ है। भवन में लगभग खिड़की, दरवाजे लगना बाकी है। न ही टायलेट शुरू हुए न ही पूरी लाइट फिटिंग हुई। निर्माण कार्य जारी होने के कारण जगह-जगह गंदगी पड़ी हुई है। स्कूल की कक्षाओ के फर्श तक कि घिसाई नही हुई। स्कूल में छात्र-छात्राओं को पढ़ना है और ऐसी व्यवस्था के साथ मे पढ़ पाना मुश्किल है। लेकिन विभागीय साठ-गांठ के चलते अधूरे निर्माण में ही स्कूल शिफ्ट किये जाने की योजना बनाई जा रही है। ताकि कार्य पूर्ण बता कर ठेकेदार की निर्माण की राशि का भुगतान करवाया जा सके।

घटिया निर्माण की कहानी बोलता निर्माण कार्य

उक्त स्कूल भवन के निर्माण कार्य मे ठेकेदार द्वारा भारी लापरवाही की गई है ये साफ दिखाई पड़ता है। कई स्थानों पर फर्श का लेवल ठिक नही होने से पानी जमा हो रहा है। थोड़े ही समय मे घटिया निर्माण खुद अपनी कहानी बयां करेगा। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी प्रशान्त आर्य से बात करना तो इनका कॉल अटेंड तक नही किया।

खंण्ड शिक्षा अधिकारी सजंय हक्कू से बात की तो उन्होंने स्कूल भवन को पूर्ण बताते कहा कि, स्थानीय जनप्रतिनिधियो और सरपंच सब की सहमति के बात ही स्कूल को शिफ्ट किया है। कुछ काम बाकी है जो ठेकेदार से करवा लिया जाएगा। जितना बना है उसका उपयोग शुरू नही हुआ तो बने हुए भवन में भी लोग नुकसान पहुँचा देगे।

मोटरसाइकिल के बैग से शिक्षक के 80 हजार रुपए उड़ाए, स्टेट बैंक से पैसे निकाल कर निकला था शिक्षक

पूर्व में भी हो चुकी की वारदात, सीआरपीएफ जवान की बाइक से चोरी तीन लाख की वारदात का आज तक नही खुलासा

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर में बैंकों के लेन-देन कर आने-जाने वालों के साथ वारदात होना आम बात हो गई है। यहां पहले भी ऐसी कई वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है लेकिन न पुलिस सर्तक हुई न बैंक से लेन-देन करने वालो की लापरवाही, जिससे समय-समय पर नगदी चोरी की वारदात सामने आती है। वारदात को अंजाम देने वाले घात लगा कर बैठे रहते है और मौका मिलते ही हाथ साफ कर निकल जाते है।

मंगलवार को रायपुरिया रोड स्थित स्टेट बैंक से 80 हजार की रकम लेकर निकले ग्राम करवड़ के शिक्षक कैलाशचंद गामड़ वारदात का शिकार हो गये। बैंक से राशि निकालने के बाद मोटरसाइकिल पर सरकारी फाइलों के बीच राशि रख कर बैंक पास स्थित बीओ आफिस के सामने मोटरसाइकिल खड़ी कर किसी परिचित के साथ चाय पी रहे थे और चाय पीने के बाद जब बाइक से जाने की तैयारी से पूर्व बाइक पर लगे बैग को टटोला तो पता चला कि बैग से फाइल ओर पैसे गायब है। आस पास देखने पर कोई संदिग्ध दिखाई नही दिया। वही पास में एक दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किये तो पता चला कि, एक अज्ञात व्यक्ति बाइक के पास आया और उसमे मौका देख कर बाइक से फाइल ओर पैसे निकाल कर चंपत हो गया। मामले की शिकायत पुलिस थाना पेटलावद में दर्ज करवाई है। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किये जा रहे है। कमरे की दूरी ज्यादा होने के कारण वारदात को अंजाम देने वाले का चेहरा साफ नही दिख रहा।

सीआरपीएफ जवान की डिक्की से तीन लाख उड़ा चुके है अपराधी, आज तक नही हो पाई वारदात ट्रेस

लगभग 6 से 8 माह पूर्व सीआरपीएफ के जवान द्वारा मकान निर्माण कार्य के लिए स्टेट बैंक से तीन लाख रुपये की रकम निकाली थी, जो बाइक की डिक्की में रख कर ले जाते समय अज्ञात व्यक्ति द्वारा निकाल ली गई थी। वारदात बैंक के सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हुई लेकिन पुलिस आज तक इस वारदात का खुलासा नही कर पाई न ही वारदात के किसी संदिग्ध का स्कैच जारी किया गया। सीआरपीएफ जवान ने अपने विभाग के बड़े अधिकारीयो से पुलिस से वारदात को अंजाम देने वालो को पकड़ने का दबाब भी डलवाया लेकिन पुलिस ने मामले में ज्यादा रुचि नही दिखाई।

बैंक के आसपास घात लगा कर देते है वारदात को अंजाम, बहारी गैंग का हो सकता है हाथ

बैंक से लेन-देन के लिए आने जाने वालों पर योजनाबद्ध से पूरी गैंग द्वारा नजर रखी जाती है और आसान व्यक्ति को टारगेट कर वारदात को आसानी से अंजाम दिया जाता है। स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा, इंडिया बैंक सहित कई निजी बैंकों के आसपास इस प्रकार की वारदात हो चुकी है। जिससे साफ है कि, कोई बाहरी गैंग स्थानीय लोगो की मदत से ये काम कर रही है। जो केवल बैंक से आने जाने वालों को ही नही बल्कि कई दुकानदारों को बातों में उलझा कर दुकान में रखी नगदी पर हाथ साफ करने में सफल रहते है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार रविवार को रायपुरिया रोड क्षेत्र के एक कियोस्क संचालक के साथ भी दो अंजान लोग दो हजार के खुले लेने के बहाने आये और कियोस्क संचालक के गल्ले में रखी रकम उड़ा ली। कियोस्क संचालक को पता चलता इससे पहले दोनों लोग गायब हो गए। हालांकि मामले की शिकायत थाने तक नही पहुँची है लेकिन नगर में इस प्रकार की वारदातों को अंजाम देने वाले बाजार में सक्रिय है जिससे सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कालोनाइजर को लाभ पहुचाने के लिए किया जा रहा है सड़क निर्माण

रहवासियों की आपत्ति के बाद नगर परिषद के बदले सुर, अटल बस्ती के पीछे कट रही नई कॉलोनी का मामला

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर के हर मार्ग पर अवैध कॉलोनियां काटने का काम जारी है जिस पर प्रशासन और परिषद की कोई लगाम नही है। कुछ कोलोनिनाजर शासन की मंशा के अनुसार काम कर कालोनी काटने का काम कर रहे है। लेकिन कोलिनी तक सर्व सुविधा और पहुँच मार्ग भी सुगम और सुरक्षित हो ये मंशा भी कोलोनिनाजर की होती है, ताकि कॉलोनी में बिकने वाले प्लेटो की अच्छी कीमत मिल सके। चूंकि ये पहुँच मार्ग शासकीय भूमि और नगर परिषद क्षेत्र में होते है इसलिए स्थानीय एजेंसी से साठ-गांठ बिठा कर कोलोनिनाजर अपने अनुसार काम करवा लेता है। यहाँ वार्ड क्रमांक 8 अटल बस्ती क्षेत्र में नगर परिषद ओर निजी कालोनाइजर की आपसी तालमेल ओर मिलीभगत से गरीब वर्ग के लोग परेशान हो रहे है। नगर के बरवेट रोड़ पर स्थित अटल बस्ती में आवासहीन गरीबो को सरकारी मकानों का निर्माण कर दिए गए है। वर्षो से गरीब वर्ग के लोग अपने परिवार के साथ यहां निवास करते चले आ रहे है। अटल बस्ती के समीप निजी कॉलोनी बनाई जा रही है, जहां पर आने-जाने के लिए पूर्व से ही सरकारी सीसी रोड बना हुआ है। लेकिन कॉलोनाइजर ओर नगर परिषद की मिलीभगत नवीन सीसी रोड जो पहले से कई ज्यादा चौड़ा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसको लेकर रहवासियों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। क्योंकि जहां नगर परिषद द्वारा कालोनाइजर को रोड बनाकर देने का प्रयास किया जा रहा है। मकान की आस लगाए गरीब वर्ग के लोगो अटल बस्ती में जमे हुए है। जिनको उम्मीद है कि, सरकार उन्हें यहां घर बना कर देगी लेकिन रोड के चौड़े होने कारण कई लोगो का सपना अधूरा रह सकता है।

एसडीएम को दिया आवेदन

रोड़ बनाने की जानकारी रहवासियों को लगी तो उन्होंने एसडीएम पेटलावद को एक शिकायती आवेदन देकर रोड़ नही बनाने की मांग की। रहवासी अफरोज पिता मोहम्मद हुसैन, हरीश पिता चुन्नीलाल गवली, मुकेश पिता प्रेमचंद सोलंकी आदि ने बताया कि, शासन की योजना के अनुसार गरीब लोगों को मकान आवंटित किए गए है। बस्ती में पीछे स्थित मकान में आने जाने के लिए करीब 10 फिट का रास्ता स्थित है ओर बस्ती के पीछे निजी भूमि स्थित है जहां उनके द्वारा कॉलोनी काटी जा रही है। कॉलोनी में आने जाने के लिए भी पूर्व से 10 से 12 फिट का रास्ता बना है, लेकिन उक्त स्थान पर सर्वे ओर नक्शी करवाकर रास्ते को चौड़ा किया जा रहा है। रहवासियों ने बताया कि, सरकारी बस्ती में मकानों को तोड़कर रास्ता बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका हम विरोध करते है। इसके अलावा रहवासियों ने स्थानीय अधिकारियों से लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत भी शिकायत दर्ज करवाई। निजी कालोनाइजर को नगर परिषद रोड़ होने के बावजूद नवीन रोड़ बनाकर देना चाहती थी, नगर परिषद के इंजीनियर खुद मोके पर पहुँचे थे और चुने की लाइन डालकर आये थे, लेकिन रहवासियों के विरोध और आपत्ति के बाद फिलहाल रोड़ बनाये जाने का मामला ठंडा है। वही नगर परिषद के अधिकारियों के भी सुर बदल गए और रहवासियों के द्वारा अतिक्रमण करने का हवाला देकर अपने सुर बदल लिए। जबकि रहवासियों के अनुसार कालोनाइजर ने खुद कहा था कि हम यहां रोड़ का निर्माण करने जा रहे है। नगर परिषद के इंजीनियर दीपक वास्केल ने कहा कि वहाँ रोड़ बनाने की कोई प्रकिया नही चल रही है, रहवासियों ने अतिक्रमण कर रखा था इसलिए चुने की लाइन डाली गई थी।

घरों के नलों के फूटे पाईप से बहते पानी से सड़क पर पसरा कीचड़

माही की गूंज, आम्बुआ। आम्बुआ कस्बे में वर्षों से पेयजल हेतु टंकी से नलों के द्वारा जल प्रदाय किया जाता आ रहा है। कस्बे में कई घरों तक जाने वाले पाईप टूट फूट जाने के कारण व्यर्थ जल बहता रहता है तथा सड़क पर गंदगी कीचड़ पसरा रहता है जिस कारण सड़कें उखड़ रही है।

आम्बुआ में वर्षों पूर्व एक विशाल टंकी का निर्माण कराया गया था, इसी टंकी से कस्बे में जल प्रदाय किया जाता रहा है। वर्षों पूर्व घरों में लोहे (स्टील) के पाईप के माध्यम से जल प्रदाय किया जा रहा है। यह पाईप सड़क के अंदर से गुजरने के कारण दिनभर निकलते वाहनों के कारण वे पाईप टूट फूट रहे हैं, जिन्हें जल उपभोक्ता ठीक नहीं करा रहे हैं। नतीजा पानी सड़क पर बह कर कीचड़ कर रहा है। कुछ घरों के बाहर नल लगे हैं मगर उनमें टोटियां नहीं होने से भी पानी व्यर्थ बहता रहकर गंदगी फैला रहे हैं। इस कीचर पानी के कारण सड़कें खराब होकर उनका डामर निकल रहा है तथा बड़े-बड़े गड्ढे होते जा रहे हैं। जिस कारण वाहन चालक परेशान होते हैं। पंचायत द्वारा इन्हें नोटिस जारी कर पाईप ठीक कराने हेतु निर्देशित करना जरूरी माना जा रहा है, ताकि जल का अपव्यय ना हो और कीचड़ से सड़क खराब न हो।

पूर्व विधायक स्व. श्री यादव की जयंती पर पौधारोपण अभियान संपन्न

माही की गूंज, भानपुरा। गरोठ भानपुरा की प्रगति और खुशहाली के प्रति आजीवन समर्पित रहे पूर्व विधायक स्वर्गीय राजेश यादव की जयंती पर पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें यादव समर्पित कार्यकर्ताओ व आमजन ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया स्वर्गीय यादव ने अपने कार्यकाल में ग्रीन गरोठ भानपुरा के क्लीन गरोठ भानपुरा का नारा दिया था। उसी को चरितार्थ करने के लिए छोटे-बड़े महादेव क्षेत्र में सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर अपने कार्यकाल में हजारों पौधरोपण किए गए थे। स्वर्गीय राजेश यादव की जन्म जयंती पर आज गरोठ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक पंचायत स्तर पर पौधारोपण किया गया। स्वर्गीय विधायक के पुत्र विनीत यादव पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा व पुत्रवधू जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया विनीत यादव द्वारा गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचकर पौधारोपण किया। इस दौरान अनेक सरपंच, भाजपा कार्यकर्ता व यादव समर्पित आमजन उपस्थित रहे व श्री यादव के ग्रीन गरोठ भानपुरा के सपने को साकार रूप देते हुए पहल में हाथ बढ़ाया।

खुलासा: वीवो कंपनी के डेली कलेक्शन एजेंट ने साथियों के साथ मिलकर रची लूट की साजिस

माही की गूंज, बरझर।

बरझर पुलिस चौकी के अन्तर्गत रिगोल सेजावाबा सड़क मार्ग पर 24 अगस्त बुधवार दोपहर करीब साढे 3 बजे कन्हैयादास पिता बबलूदास बेरागी (23) जाति ब्राहाण निवासी खाचरोद उज्जैन वीवो मोबाइल कम्पनी की पैसे वसुली के लिए निकला, जो बरझर से वसुली कर बरझर से सेजावाडा सड़क मार्ग के रास्ते निकल गया। जिसके बाद कन्हैयादास ने बरझर से 6 किलो मीटर रिगोल घाटी पर एक लाख 10 हजार रुपए की लूट की वारदात होने की सुचना आजाद नगर भाबरा दुकानदार को दी। दुकानदार ने तत्काल आजाद नगर भाबरा पुलिस को सुचना दी। जिस पर थाना प्रभारी विजय कुमार देवड़ा व चौकी प्रभारी अखिलेश मण्डलोई तत्काल पुलिस बल के साथ रिगोल गांव मे मौके पर पहुंचे। शाम होते-होते एडिशनल एसपी एसएम सैंगर, एसडीओ निरज नामदेव ने मोर्चा संभाला लिया। उधर देर रात घटना स्थल पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ने मोका मुआयना कर पुलिस को हर पहलू पर जांच के आदेश दिए। जिसके बाद पुलिस अमला सक्रिय हो गया और एडिशनल एसपी व एसडीओपी ने बरझर पुलिस चौकी पर डेरा जब तक डाल दिया जब तक आरोपी गिरफ्तार न हो जाए ओर सफ़लता मिली।

फरियादी ने ऐसे रची साजिश

विवेचना के दौरान फरियादी शुरु से ही पुलिस को गुमराह करता रहा, जिससे फरियादी संदिग्ध प्रतीत हुआ। सीसीटीव फुटेज तथा साइबर टीम की सहायता से पुलिस टीम द्वारा फरियादी से पूछताछ की गई। जिसमें फरियादी द्वारा अधिक रुपया कमाने, उधारी चुकाने के लिए डेली कलेक्शन के रुपए हडपने की साजिस अपने दोस्त राजेश के साथ रची एवं डेली कलेक्शन के रुपए को अज्ञात बदमाशो द्वारा छिन लेने की मनगढत कहानी बनाई।

पुलिस टीम द्वारा संदेही राजेश पिता जगदीश चौहान नि. खाचरोद से पूछताछ करने पर बताया कि, फरियादी कन्हैयादास मेरा दोस्त है हम दोनो ने 23 अगस्त को मोबाईल पर झुठी रिपोर्ट लिखाकर पैसे कमाने का प्लान बनाया था। कन्हैयादास के कहने पर 24 अगस्त को खाचरोद से दाहोद ट्रेन से आया एवं दाहोद से कस्बा चन्द्रशेखर आजाद नगर बस से आया, जहा मैं कन्हैयादास से मिला। वो मुझे अपनी मोटर सायकिल पर बैठाकर गांव से घुमाते हुए गरबाडा तक छोडने गया था। उसने अपने पैसे का बैग मुझे दे दिया ओर फिर मैं वापस गरबाडा से वापस दाहोद ओर वहा से ट्रेन से खाचरोद चला गया। कन्हैयादास एवं उसके साथी राजेश चौहान से माल मश्रुका बरामद किया गया।

बरझर पुलिस की तीसरी सफलता

बरझर पुलिस चौकी क्षेत्र में अभी तक दो माह में तीन वारदातें हो चुकी है, जिसमें से दो मामलों में बरझर पुलिस ने मामले का खुलासा भी किया है। एक आठ माह पूर्व चौरी का खुलासा कर बदमाशों को जेल की सलाखों के पिछे भेज चुके हैं। एक मामले में सिमाडा फलीया गुजरात बॉर्डर बरझर से तीन भैंस भी निकाल लें गए थे। थाना प्रभारी विजय देवड़ा व चौकी प्रभारी अखिलेश मण्डलोई ने गुजरात राज्य तक पिछा किया। पुलिस का पीछा करने की खबर लगते ही भैंस छोड़कर बदमाश भाग निकले थे। साथ ही एक बाईक चौर को भी गिरफ्तार किया था।

चार पुलिस जवान बढ़ाने के हुए आदेश, अब तक नहीं पहुंचे चौकी

बरझर में शनिवार रात बदमाशों ने एक मकान में घुस कर नगद रूपए व ज़ेवर ले जाने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसएम सैंगर घटना स्थल पर पहुंचे थै ओर ग्रामीणों की बेठक भी ली थी। ग्रामीणों की मांग पर 24 अगस्त को चार पुलिस जवानों को पुलिस बल में बढ़ाने के आदेश भी हो गए। परन्तु समाचार लिखे जाने तक चार में से एक पुलिस कर्मी ने आमद नहीं दी। ग्रामीणों की मांग है कि, जल्द बरझर पुलिस चौकी, थाने में तब्दील हो ताकि पुलिस बल बढ़ सके और वारदात में कमी आए।

सराहनीय कार्य के लिए होंगे पुरस्कृत

उपरोक्त घटना का खुलासा करने में पुलिस अधिक्षक मनोज कुमार सिंह जिला अलीराजपुर के मार्गदर्शन एवं अति. पुलिस अधिक्षक अलीराजपुर एसआर सेंगर, एसडीओपी नीरज नामदेव के निर्देशन में गठित ठीम थाना प्रभारी चन्द्रशेखर आजाद नगर विजय देवडा, चौकी प्रभारी बरझर अखिलेश मंडलोई, सउनि फारुख खान, सउनि संतोष राजपुत, सायबर सेल अलीराजपुर टीम आर. 65 विशाल आर. 105 प्रमोद, आर. 86 जयकिशन, आर. 508 दिनेश, आर. 184 आनंद, एसएएफ प्रआर 1152 सत्यबीरसिंह, आर 1126 संजय अरजरिया, आर 924 भगवानसिंह, आर 98 महेश का सराहनीय कार्य रहा।पुलिस अधीक्षक अलिराजपुर द्वारा इस सराहनीय कार्य हेतु सम्पूर्ण टीम को पुरष्कृत करने की बात कही गई है।

नाबालिग पीड़िता का अपहरण करने वाले आरोपीगण को 2 वर्ष का कारावास व जुर्माना

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नाबालिग पीडिता का अपहरण करने वाले आरोपी खुमला पिता तेरसिंह व ईकराम पिता तेरसिंह निवासी चांदपुर को विशेष सत्र न्यायाधीश अलीराजपुर ने कसूरवार मानते हुए आरोपी को धारा 363 भारतीय दण्ड संहिता में 2-2 वर्ष का कारावास व 2-2 हजार रूपए के अथर्दण्ड से दण्डित किया है।

अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी पीएस ओहरिया ने बताया कि, घटना दिनांक 11 नंवबर 2020 सुबह 9 बजे की हैं। पीडिता अपनी छोटी बहन के साथ थोडसिंधी में टेलर के यहां कपडे सिलाने पिता को कहकर गई थी और कपडे सिलावाने डालकर पीडिता व उसकी बहन थोडसिंधी पंचायत के पास जा रही थी। तभी आरोपी विधि विरूद्ध किशोर अपने दो लोग ईकराम और खुमला के साथ आया और पीडिता को विधि विरूद्ध किशोर की पत्नी बनाने के लिए व उसकी छोटी बहन को तूफान जीप में जबरजस्ती चांदपुर लेकर गए। तूफान जीप में कोई सवारी नहीं थी पीडिता को आरोपी ईकराम के घर दो दिन रखा और आरोपी विधि विरूद्ध किशोर ने पीडिता के साथ दुष्कर्म किया। पीडिता की बहन को अलीराजपुर ले जाकर उसके घर भेज दिया। पीडिता को आरोपी विधि विरूद्ध किशोर ने खुमला के घर रखकर पीडिता के साथ जबरजस्ती कई बार दुष्कर्म किया।

घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना सोण्डवा में की गई। उक्त आरोपीगण के विरूद्ध थाना सोण्डवा में अपराध पंजीबद्ध किया गया। अपराध में अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र अलीराजपुर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विशेष सत्र न्यायाधीश अलीराजपुर द्वारा साक्षियों के समथर्न के आधार आरोपी खुमला पिता तेरसिंह व ईकराम पिता तेरसिंह को धारा 363 भारतीय दण्ड संहिता में 2-2 वर्ष का कारावास एवं 2-2 हजार रूपए के अथर्दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण का संचालन अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी पी.एस. ओहरिया द्वारा किया गया। यह जानकारी मीडिया सेल प्रभारी अभियोजन एडीपीओ निर्मला चौहान ने दी।

भारत-पाकिस्तान सीमा भ्रमण कर लोटे रासेयो वालंटियर्स का किया सम्मान

माही की गूंज, बरझर।

शासकीय महाविद्यालय भाबरा (चन्द्रशेखर आजाद नगर) के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के 5 स्वयंसेवक ने ''मां तुझे प्रणाम योजना'' के अंतर्गत भारत-पाकिस्तान सीमा वाघा, अटारी, हुसैनीवाल आदि सीमाओं का भ्रमण किया। उक्त वालंटियर्स के सम्मान के लिए महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे व महाविद्यालय के स्टाफ ने स्वयंसेवको का तिलक व माला पहना कर उनका सम्मान किया।

भ्रमण करके आए विद्यार्थी राजु मेड़ा, राजु नलवाया, पंकेश भयडीया, सचिन मेड़ा व अनिल बामनिया ने अपने अनुभव वृतांत में बताया कि, उन्होंने भारत-पाकिस्तान सीमा के साथ जलियांवाला बाग, शहीद भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु की समाधि, स्वर्ण मंदिर के दर्शन किए। साथ ही चन्द्रशेखर आजाद नगर क्षेत्र की मिट्टी और जल चढ़ाकर शहीदों को श्रध्दांजलि दी गई।

इस अवसर प्राचार्य ने कहा कि, हमारे विधार्थियो ने यहां की मिट्टी और जल सीमा पर चढ़ाकर हमें गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. एम एस डोडवा , प्रो. संदीप बामनिया डॉ. वीरसिंह बरड़े व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. कमलेश गणावा ने किया व आभार डॉ. शुभम चौहान ने माना।

पवित्र उमराह के लिए यात्री हुए रवाना समाजजनों ने दी विदाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

लब्बेक अल्ला हुम्मा लब्बेक, ला सरीका लब्बेक, मदीने वाले को हमारा सलाम कहना की दुआओं और गुजारिश के बिच पवित्र उमराह यात्रा पर जाने वाले अलीराजपुर निवासी सेय्यद शाकिर अली, उनकी माता व बहन एवं फहिम कुरैशी, कुलसुम कुरैशी मंगलवार शाम को उमराह यात्रा के लिए रवाना हुए। इस दौरान मुस्लिम समाजजनो सहित विभिन्न समाजजनो ने उनका हार-फूल मालाओ से स्वागत कर भावभीनी विदाई दी।

उल्लेखनीय है सभी उमराह यात्री सडक मार्ग होते हुए मुंबई मे हवाई जहाज के माध्यम से 31 अगस्त बुधवार को सऊदी अरब के मक्का-मदीना शहर पहुंचे। जहां पर अब वह पवित्र उमराह यात्रा की सम्पूर्ण धार्मिक प्रकिया के अरकान अदा करेंगे। इस दौरान समाजजनो ने यात्रियो से पवित्र स्थल मक्का-मदीना मे भारत देश एवं म.प्र. मे खुशहाली, अमन-चेन, सामाजिक सौहार्द की दुआएं करने की गुजारिश की गई।

विदाई में शामिल हुए विधायक

इस वर्ष जिले मे बडी संख्या मे मुस्लिम समाजजन उमराह यात्रा पर जा रहे है। उमराह यात्री अलग-अलग तिथियो मे उमराह यात्रा हेतु मुंबई से रवाना होंगे। मंगलवार शाम को जिले से उमराह यात्रियो का जत्था रवाना हुआ। इस दौरान विधायक मुकेश पटेल ने सोरवा नाके चौराहे पर उमराह यात्री शाकिर अली का फूल-मालाओ से स्वागत कर पवित्र यात्रा की शुभकामनायें दी। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के सेय्यद अशफाक मियां, रफीक कुरैशी, मोहम्मद हुसैन पाक़ीज़ा, शाबीर बाबा, जुनेद कुरैशी, सिराज तन्हा, हाजी सिराजुद्दीन पठान, वसीम ब्लोच, अरशद लुहार, सेजाद बागवान, ईक़बाल मदनी, अजहर चंदेरी, सादिक रूबी, शाहरुख खान आदि ने पवित्र यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को मुबारकबाद देते हुए विदाई दी।

एक दिन के प्रवास पर विधायक, राजकृपा क्लिनिक का किया शुभारंभ

माही की गूंज, बरझर।
फिरोज़ खान बबलू

क्षेत्रीय विधायक सुलोचना रावत एक दिवसीय दौरे पर बरझर पहुंचे। जहां उन्होंने राजकृपा क्लिनिक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक सुलोचना रावत ने कहा कि, इस अस्पताल खुलने से निर्धन गरीब वर्ग को दाहोद अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही पूर्व विधायक माधव सिंह डावर ने कहा, हमारे क्षैत्र में अब अपने ही गांव के डॉक्टर राकेश नलवाया बनकर आया हैं जो आज ये राजकृपा क्लिनिक खुलने जा रहा है। ये डाक्टर भी आपके ही गांव ओर आदिवासी वर्ग से हैं जिसके चलते आपको इलाज भी अच्छा मिलेगा।

नवसारी गुजरात जिले के कलेक्टर महेन्द्र सिंह नलवाया ने कहा कि, आपके बीच में पला-बढ़ा राकेश नलवाया डॉक्टर बना है तो आपकी परिस्थिति भी अच्छे से समझता है। ऐसे में इलाज़ का पैसा भी कम लगेगा और उपचार भी आपको अच्छा मिलेगा।

इस अवसर पर समाज के पण्डित ने विधिः विधान के साथ पुजा अर्चना कर अतिथि सुलोचना रावत, माधवसिंह डावर, कलेक्टर ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर खुजेमा अली भाबरा, धर्मेन्द्र जयसवाल, अपील सोनी, शंकरलाल राठोड, जय किशन शर्मा, रमेश शाहू, लक्ष्मीनारायण राठोड़, भावेश पंचाल, चंदूलाल साहू, जितेन्द्र उदयगढ, नानाजी सोलंकी, बाबू भाभर आदि विशेष रूप से मोजूद थे।

बड़ी खट्टाली मे बिताया एक दिन

बुधवार को विधायक सुलोचना रावत ने बाज्या बयडा व छोटी खट्टाली में विधुत करण कार्य का उद्घाटन किया। वहां से बड़ी खट्टाली में कार्यकताओं से भेंटकर समस्याओ का निराकरण कर साथ ही रावत भीती में दोपहर ढाई बजे आंगनबाड़ी भवन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर सुलोचना रावत के साथ भाजपा कार्यकर्ता मोजूद रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बाल संरक्षण समिति की बैठक

बालश्रम एवं भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए हो कार्रवाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में समेकित बाल संरक्षण योजना अंतर्गत बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बाल संरक्षण एवं किशोर साक्तिकरण कायर्योजना बालविवाह भिक्षावृत्ति बालश्रम बाल हिंसा फास्टर केयर पीएम केयर सीएम बाल सेवा कोविड-19 योजना एवं चाईल्डलाईन व बाल कल्याण समिति के कार्यो की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने बाल विवाह के प्रति जागरूकता कायर्क्रम करने एवं पुलिस विभाग को चाईल्ड लाईन बाल श्रम विभाग के साथ बालश्रम एवं भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए कार्रवाई करने विभिन्न योजना के लाभान्वित बच्चों के साथ बैठक के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधान न्यायधीश जेजे बोर्ड के प्रधान, मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग, अनुविभागीय अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, समाज कल्याण विभाग, पुलिस विभाग से डीएसपी, महिला थाना, डीईओ, डीपीओ महिला एवं बाल विकास विभाग जिला समन्वयक ममता, एचआईएमएस सहित चाईल्ड लाइन व जन साहस के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

कुरआन पर विवादित टिप्पणी करने पर मुस्लिम समाज ने एएसपी को सौपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

स्थानीय न्यू टैलेंट पब्लिक स्कूल की शिक्षिका द्वारा मुस्लिम छात्रों को पवित्र ग्रंथ कुरआन शरीफ पर विवादित टिप्पणी करने के मामले को लेकर संबधित पालकों एवं मुस्लिम समाजजनो ने आक्रोश जाहिर करते हुए शिक्षिका के विरुद्ध उचित कार्रवाई को मांग को लेकर एएसपी सखाराम सेंगर को ज्ञापन सौंपकर उचित कार्रवाई की मांग की। इस दौरान समाजजनों ने चेतावनी देते हुए कहा कि, हमारी पवित्र ग्रंथ कुरआन शरीफ पर विवादित टिप्पणी बर्दाश्त नहीं करेंगे। शिक्षिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गईं तो समाजजन आंदोलन करेगा।

ये है मामला

न्यू टैलेंट पब्लिक स्कूल बस स्टैंड के समीप बड़ौदा बैंक के पीछे संचालित होती है। स्कूल की शिक्षिका प्रियंका शर्मा द्वारा पूछा गया कि, कक्षा 7वी मे कौन-कौन मुस्लिम छात्र है। तो तीन छात्र फरहान, फरदिन और मोईनुद्दीन ने हाथ उठाकर बताया हम है मुस्लिम छात्र है। इसी दौरान शिक्षिका द्वारा मुस्लिम छात्रों से कहा कि, क्या तुम्हारा कुरआन तुम्हारा बाप का लगता है कि जो तुम उसको पढ़ते हो। कुरआन को फाड़कर फेंक दो। इस पर छात्रों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए यह बात अपने पालकों को बताई।

सभी पालक स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल से चर्चा कर अपना विरोध दर्ज कराते हुए उक्त शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रिंसिपल के कार्रवाई के आश्वासन पर वापस लौट गए पालकों को पता चला की स्कूल प्रिंसिपल एवं संचालक द्वारा देर शाम तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गईं है। इस पर नाराज़ मुस्लिम समाज के सेकड़ो लोग देर शाम पुलिस थाना पहुंचे और उन्होंने एएसपी श्री सेंगर, एसडीओपी सुश्री श्रद्धा सोनकर एवं थाना प्रभारी शिवराम तरोले से चर्चा कर संपूर्ण मामले से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौपा। जिसमे छात्रों के पालक कादिर शाह, हशीर मोहम्मद, जमालूद्दीन ने बताया, स्कुल शिक्षिका के इस तरह की टिपण्णी से हमारी धार्मिक भावनाएं आहत हुई है, हमारे बच्चे भयभीत और डरे-सहमें हुवे है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से स्कुल शिक्षिका के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाजजन मौजूद थे।

क्या बोले जिम्मेदार

एएसपी सेंगर ने गूंज प्रतिनिधि को बताया कि, इस तरह का एक आवेदन हमारे पास आया है। हम गंभीरता से इसकी जाँच कर रहे है। हमारे द्वारा पालकों और मुस्लिम समाजजनो को आगामी दिनों मे कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है।

क्या हुआ तेरा वादा...

नगर परिषद दुकान देने के वादे से क्यों मुकर गई...?

तीन दिन की हड़ताल के बाद दुकान में घुसे दुकानदार

निर्माण शुरू होने के बाद से चल रही दुकान आवंटन को लेकर उठा-पटक

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

– मंगलवार को बन्द दुकानों के आगे भूख हड़ताल करते दुकानदार।

– बुधवार को अपनी अपनी दुकानों में बिना किसी निराकरण के प्रवेश कर गए दुकानदार।

नगर के नया बस स्टैंड पर नगर परिषद द्वारा जीर्णोद्धार किए गए काम्प्लेक्स की दुकानों को लेकर लगभग दो वर्ष से लगातार उठा-पटक चल रही है। हर थोड़े दिन में दुकानों को लेकर नई चर्चा का दौर शुरू हो जाता है। इस बीच दुकानों की छत और अतिरिक्त बनी एक दुकान की नीलामी के बाद मामला और उलझ गया और दुकान की आस लगाए बैठे पुराने दुकानदारों की लागत मूल्य में दुकान मिलने की उम्मीदें भी धूमिल होने लगी। टूटती उम्मीदों के साथ इस परिषद के कार्यकाल की अंतिम बैठक में दुकानदारों को उम्मीद थी कि, नगर परिषद अपने वादे के मुताबिक दुकानें आवंटित करेगी। लेकिन कलेक्टर का फरमान बीच मे आ गया और परिषद की अंतिम बैठक में जिला कलेक्टर को पुराने दुकानदारो के हक में प्रस्ताव बना कर भेज दिया। निराकरण होता नही देख दुकाने न मिलने से नाराज दुकानदार सोमवार दोपहर से भूख हड़ताल पर बैठ गए।

जर्जर रैन बसेरा और दुकान बनाकर किया दुकानों का जीणोद्धार, जमे दुकानदार दुकान मिलने के आश्वासन पर हटे

पूर्व में उक्त स्थान पर रैन बसेरा बना हुआ था। रैन बसेरे के निचे 8 दुकानें थी जो नगर परिषद से किराए पर थी और लगभग 40 वर्षो से इन दुकानों से ये 8 दुकानदार अपनी रोजी रोटी चला रहे थे। पूरा भवन जर्जर होने के कारण कभी भी गिरने का डर बना हुआ था। जिससे जन हानि होने की सम्भवना थी। कई बार नगर परिषद को शिकायत के बाद भी जर्जर भवन गिराया नही जा सका। भाजपा नेता चंदन भंडारी द्वारा इस जर्जर भवन की शिकायत के बाद एसडीएम द्वारा उक्त भवन को सुरक्षा की दृष्टि से गिराने के निर्देश नगर परिषद को दो से दिन बार दिए गए थे। लेकिन उक्त भवन के प्रथम तल पर दुकान में बैठे 8 दुकानदार हटने को तैयार नही थे। जिन्हें नगर परिषद द्वारा लागत मूल्य 3 लाख 65 हजार में दुकान देने के आश्वासन के बाद जर्जर भवन को तोड़ कर नए मार्केट का निर्माण कार्य किया गया।

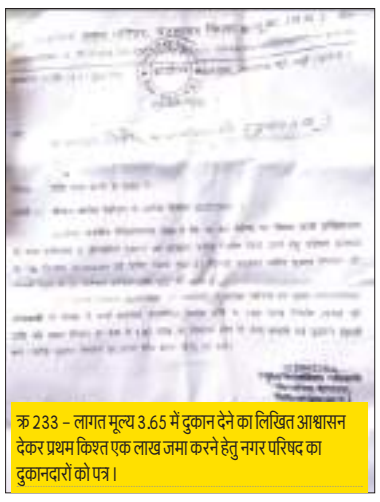

क्र 233 – लागत मूल्य 3.65 में दुकान देने का लिखित आश्वासन देकर प्रथम किश्त एक लाख जमा करने हेतु नगर परिषद का दुकानदारों को पत्र।

पहली किश्त के रुप मे जमा एक लाख रुपये की किश्त की नगर परिषद द्वारा दी गई रसीद।

निर्माण के बाद जुड़ा रहा विवाद लगभग 6 माह काम रहा बन्द

जर्जर भवन को तोड़ कर नगर परिषद ने उक्त स्थान पर दुकान निर्माण का कार्य शुरू किया ओर चलते कार्य मे कई बार गलत जमीन पर निर्माण की शिकायत दर्ज करवाई गई। शिकायत के बाद एसडीएम शिशिर गेमावत के आदेश पर नपती की गई। जिसमें शासकीय भूमि राजस्व मद की भूमि पर अतिक्रमण निर्माण होने का बता कर कार्य रोकने का आदेश जारी कर दिया गया। पेटलावद दौरे पर आये प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार के सामने मामला आने के बाद कार्य रोकने पर एसडीएम ओर तहसीलदार को कड़ी फटकार भी खानी पड़ी। मामला शांत होने के बाद कार्य शुरू हो सका। बताया जा रहा है भूमि नगर परिषद की निजी खरीदी हुई थी जिस पर निर्माण किया जा रहा था।

लाखों में बिकी दुकान और छत बनी दुकानदारों के लिए मुसीबत

जीर्णोद्धार कर बनाये गए नए कॉप्लेक्स में 8 की जगह 9 दुकान का निर्माण किया गया। पूर्व के आठ दुकानदारों को 8 दुकान नगर परिषद देने का बोल कर लागत मूल्य से एक लाख वसूल चुकी थी। वही नगर परिषद द्वारा नगर में बने कॉम्पेक्स सहित गैर जरूरी भवनों की छत लीज पर दे रही थी। इसी के चलते नए कॉम्प्लेक्स की छत भी नीलामी के टेंडर जारी किये गए। नीलामी में छत 66 लाख 66 हजार में बिकी। वही एक बनी अतिरिक्त दुकान की नीलामी टेंडर के माध्यम से की गई, जिसमें एक मात्र दुकान 55 लाख 55 हजार में बिकी। छत ओर एक दुकान को मिला कर नगर परिषद को सवा करोड़ के लगभग राशि प्राप्त हुई। लाखो में बिकी दुकान के बाद शिकायतो का दौर शुरू हो गया और पुराने दुकानदारों को मामूली दर पर दुकान देने के पीछे नगर परिषद की मिलीभगत होना बता कर शिकायत दर्ज करवाई गई। नगर परिषद द्वारा जारी एक मात्र दुकान का मिनिमम टेंडर मूल्य 11 लाख दर्शाया गया था। जिसके बाद बाकी के दुकानदारों से भी कम से कम 11 लाख वसूलने और दुकानों को पुनः नीलामी करने की आवाज़ उठाने लगी। नगर के बड़े-बड़े पूंजीपति यहां दुकान लेने के चक्कर मे नगर परिषद ओर यहां तक कि पुराने दुकानदारों को भी प्रबोलन देने लगे। इस संबंध में जिला कलेक्टर के पास मामला गया। जहॉ कलेक्टर की और नगर परिषद को दुकान नीलामी के प्रक्रिया अपनाने के सम्बंध पत्र जारी किया गया। जिससे 40 वर्ष से बैठे दुकानदारो को दुकान मिलने की उम्मीद भी धुंधली होती दिखाई देने लगी। नगर परिषद द्वारा अब दुकानदारों से 3.65 की बजाए 11 लाख जमा करने पर दुकान देने का कहा जाने लगा। लेकिन एक-दो दुकानदारों को छोड़ कर 11 लाख की राशि देने में दुकानदार सक्षम नही थे। इस कारण दुकानें आवंटित नही हो सकी और अंतिम निर्णय के लिए गेंद कलेक्टर के पाले में चली गई।

हड़ताल पर बैठे दुकानदार, तीसरे दिन जबरन दुकान में प्रवेश कर किया उद्घाटन

दुकाने नही मिलने से विगत दो वर्षों से बेरोजगार बैठे दुकानदारों ने सोमवार को दुकानों के आगे ही हड़ताल पर बैठने का निर्णय लिया। तीसरे दिन तक प्रशासन या नगर परिषद की ओर से पहल नही होने पर बुधवार को सभी दुकानदारों ने परिषद के लगे ताले खोल कर जबरन अपनी अपनी दुकान का प्रवेश कर काउंटर रख कर उद्घाटन कर दिया।

दुकानदारों का कहना है कि, नगर परिषद द्वारा लिखित में दुकान देने का कहा और राशि जमा करवाई थी। हम 40 वर्षो से यहां बैठे है और लगातार दुकानों को लेकर भ्रम पैदा कर हमसे दुकानें छीनने की कोशिश की जा रही है। हम दुकानों में जबरन नही घुसे है हमारी पुरानी दुकान में प्रवेश कर रहे है।

दो दुकानदारों के पास दो-दो दुकान भी बना विवाद का कारण

कुल 8 दुकानदारों में दो दुकानदार ऐसे है जिनके पास दो-दो दुकानें है जो विवाद का कारण था। शिकायतकर्ताओं द्वारा इस मामले को मुख्य रूप से दर्शाया गया और एक व्यक्ति को एक ही दुकान देने प्रावधान होने की शिकायत की गई। साथ ही आरक्षण प्रक्रिया की भी बात शिकायत में की गई।

जमीन नगर परिषद की निजी, हमने दुकानदारों के पक्ष में प्रस्ताव भेजा, इस प्रकार से दुकान में घुसना गलत- अध्यक्ष मनोहरलाल भटेवरा

इस संबंध में नगर परिषद अध्यक्ष मनोहरलाल भटेवरा ने बताया कि, जानकारी मिली है कि दूकानदार अपनी अपनी दुकान में प्रवेश कर चुके है। नगर परिषद दुकानदारों के साथ है और जिला कलेक्टर को भी हमारे द्वारा दुकान पुराने दुकानदारों को दिए जाने का प्रस्ताव बना कर भेजा गया है। अंतिम निर्णय जिला कलेक्टर को ही लेना है। यदि दुकानदारों ने दुकानों में प्रवेश किया है तो गलत है हमारे हाथ मे कुछ नही है जिला कलेक्टर जैसा निर्देश करेगे वो किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष ने ये भी बताया कि, उक्त भूमि नगर परिषद की निजी है जिसको देने का अधिकार भी नगर परिषद को ही होना चाहिये।

शासकीय संपत्ति पर कोई अवैध कब्जा करेगा उस पर कार्यवाही की जाएगी- कलेक्टर

इस संबंध में जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा का कहना है कि, दुकानों के आवंटन के सम्बध में प्रक्रिया नगर परिषद सीएमओ को भेज दी है। यदि कोई शासकीय संपत्ति पर कोई अवैध कब्जा करता है तो उस पर कार्यवाही की जाएगी।

न्यायालय में जा सकता है मामला

लम्बे विवाद के बाद दुकानदार, नगर परिषद और जिला प्रशासन आमने सामने हो गया है। जहॉ दुकानदार अपनी ही दुकान में नगर परिषद के लिखित आश्वासन और अमानत राशि के आधार पर दुकान में घुस चुके है। वही जिला कलेक्टर भी तय की गई नीलामी की प्रक्रिया से दुकान आबंटन की बात कह रहे है। इस प्रकार के कई मामले न्यायालय में जा चुके है जिसके बाद स्थिति जस की तस बनी हुई है। उक्त मामला भी न्यायालय में जाने की सम्भवना है यदि प्रशासन दुकानदारों के विरुद्ध कोई कार्यवाही करता है तो दुकानदार न्यायालय की शरण लेगे ये तय है। फिलहाल दो वर्ष से बेरोजगार दुकानदार अपनी दुकान में रोजगार शुरू करते है या न्यायालय के चक्कर मे उलझते है ये देखना होगा।

परिवार जिसका मंदिर था, प्रेम जिसकी शक्ति थी,
परिश्रम जिसका कर्तव्य था, परमार्थ जिसकी भक्ति थी।

स्व. श्री भवानीशंकर राठौर
देवलोक गमन – 21.08.2022

पगड़ी एवं स्मृति भोज

पगड़ी – 03/09/2022 प्रातः 9 बजे
स्मृतिभोज – 03/09/2022 प्रातः 10.30 बजे
स्थान – निजनिवास ग्राम झकनावदा

–: शोकाकुल :–

महेन्द्रसिंह राठौर, अरविन्दसिंह राठौर, जगमोहनसिंह राठौर, महावीरसिंह राठौर, दिनेश राठौर, राजू राठौर एवं समस्त राठौर परिवार ग्राम झकनावदा

कर्म हमेशा ऐसे किए कि सबके दिलों में गूंजते रहे,
आपका प्रेममय स्वभाव हमारे लिए प्रेरणादायक रहेगा।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

समस्त राठौर परिवार ग्राम झकनावदा

सौजन्य – मातेश्वरी पेट्रोल पंप, मातेश्वरी कलेक्शन, एम.आर.ए.पी ट्रेडेक्स प्रा. लि.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422